MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 03 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-212

पाक में फिदायीन हमला

5 पुलिसकर्मियों समेत 14 की मौत

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 02 अगस्त (एजेंसियां)।
पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में रविवार को शांति मार्च के दौरान हुए भीषण विस्फोट में 5 पुलिसकर्मियों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह आत्मघाती हमला प्रतीत हो रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।

क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी मलकंद के अनुसार, स्वात जिले के काबल टाउन स्थित काबल पुलिस स्टेशन के समीप अमन पासून शांति रैली के दौरान यह संदिग्ध आत्मघाती विस्फोट हुआ। मृतकों में 5 पुलिसकर्मी और 9 नागरिक शामिल हैं। घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमले का मुख्य निशाना पाकिस्तानी पुलिस बल था। धमाके के तुरंत बाद पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार स्वात अमन जिरगा नामक स्थानीय आदिवासी परिषद द्वारा क्षेत्र में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और सुरक्षा हालात को देखते हुए शांति मार्च का आयोजन किया गया था। मार्च में शामिल लोग हाथों में तख्तियां लेकर क्षेत्र में शांति बहाल करने की मांग कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हुए भीषण विस्फोट से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

धमाके की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गए। बचावकर्मियों ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया।

स्वात पुलिस ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल हमले के पीछे किस संगठन का हाथ है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही किसी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

हालांकि, जिस प्रकार शांति मार्च को निशाना बनाया गया है, उससे पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल व्याप्त हो गया है। स्थानीय लोग पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित थे और इस घटना ने उनकी चिंता और बढ़ा दी है। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करते हुए सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने के निर्देश दिए हैं।

पीओके चुनाव का खून!

धांधली, अंधाधुंध फायरिंग में 3 मरे

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)
पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में 2 अगस्त को विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए मतदान हुआ। चुनाव के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। हालांकि, दूसरे चरण के दौरान हिंसा देखने को मिली है। वहीं, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। मुजफ्फराबाद में विरोध-प्रदर्शन और सड़कों पर नाकेबंदी के कारण एलए-27 कोटली के लिए चुनाव कर्मचारी और चुनाव सामग्री नहीं पहुंच सकी। इसके चलते यहां चुनाव स्थगित कर दिया गया है।

इससे एक दिन पहले शनिवार को मुजफ्फराबाद में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई थी। इसके बाद शहर की सड़कों पर जले हुए वाहन, जगह-जगह बिखरे पत्थर और भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी दिखाई दिए। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में हुई ताजा हिंसा को लेकर चिंता जताई थी। पीओके में लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं और स्थानीय लोगों की तरफ से चुनाव के बहिष्कार की अपील भी की गई है। मुजफ्फराबाद में हालिया प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षाबलों की कथित अंधाधुंध फायरिंग की खबरों के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है।

▶8पर

भारत पर तानीं चीनी तोपें

सीमा पर 250 एसएच-15 हॉवित्जर तैनात

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)

पाकिस्तान ने हाल ही में चीन से 250 एसएच-15 155 मिमी ट्रक-माउंटेड सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी सिस्टम हासिल किए हैं। इन्हें भारत के साथ पश्चिमी सीमा पर व्यवस्थित रूप से तैनात करना शुरू कर दिया है। खुफिया सूत्रों के अनुसार ये हाई-मोबिलिटी हॉवित्जर उत्तर से दक्षिण तक रणनीतिक क्षेत्रों में लगाए जा रहे हैं। यह कदम ऑपरेशन सिंदूर के बाद आया है। मई 2025 में भारत की तीनों सेनाओं की आतंकविरोधी कार्रवाई में नियंत्रण रेखा और पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया था। उस ऑपरेशन में पाकिस्तान की आर्टिलरी क्षमताओं को नुकसान पहुंचा था।

अब रावलपिंडी ने अपनी जमीनी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए इन आधुनिक सिस्टम को प्राथमिकता दी है। 250 यूनिट कई आर्टिलरी रेजिमेंट को लैस करने के लिए पर्याप्त हैं। इससे पाकिस्तान की फायर पावर में बड़ा बदलाव आने वाला है। एसएच-15 चीन की सरकारी कंपनी नोरिंको ने बनाया है। यह पीएलए के पीसीएल-181 का एक्सपोर्ट वर्जन है। 155 मिमी /52-कैलिबर वाला यह व्हील्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉवित्जर 66 आर्मर्ड शानक्सी ट्रक चेसिस पर लगा होता है। सड़क पर इसकी गति 90 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। ऑफ-रोड तेजी से जगह बदल सकती है।

यह मानक 155 मिमी नाटो राउंड 30 से 40 किलोमीटर तक और रॉकेट-असिस्टेड वी-एलएपी प्रोजेक्टाइल 53 से 72 किलोमीटर तक दाग सकता है। इसमें ऑटोमेटेड फायर-कंट्रोल सिस्टम और हाइड्रोलिक स्पेड्स हैं। सेटअप जल्दी होता है, प्रति मिनट छह राउंड तक फायरिंग संभव है। काउंटर-बैटरी रडार लॉक करने से पहले तेजी से स्थानांतरित हो जाता है। ये गुण इसे पारंपरिक टोड आर्टिलरी से कहीं अधिक प्रभावी बनाते हैं। पाकिस्तान के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता बढ़ जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने अपने ऑपरेशनल गैप को भरने पर जोर दिया है। पहले उसकी आर्टिलरी मोबिलिटी और लंबी दूरी की क्षमता में कमी थी। एसएच-15 के आने से वह हाईली मोबाइल और लॉन्ग-रेंज फायर आर्किटेक्चर की ओर बढ़ रहा है। ये सिस्टम न सिर्फ डिफेंसिव बल्कि ऑफेंसिव क्षमता भी बढ़ाते हैं। सीमा पर तैनाती से भारत के कई सैन्य ठिकाने, लॉजिस्टिक रूट और चौकियां इनकी रेंज में आ सकते हैं। पाकिस्तान पहले ही कुछ एसएच-15 को नियंत्रण रेखा के पास तैनात कर चुका है। 2025 के संघर्ष में इनका इस्तेमाल भी किया गया था। अब 250 की नई खेप से कई रेजिमेंट मजबूत होंगी।

यह कदम चीन-पाकिस्तान रक्षा साझेदारी को और गहरा दिखाता है। दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास बढ़ा रहे हैं जो इंटरऑपरेबिलिटी, नेटवर्क्ड कमांड-एंड-कंट्रोल और संयुक्त आर्म्स वारफेयर पर केंद्रित हैं।

▶8पर

पप्पू पर चप्पल!

संसद में 'चंदा चोरी' नाटक पर गुस्सा

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)
बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर रविवार शाम एक शख्स ने हमला कर दिया। पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर चप्पल फेंक दी। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। वहां मौजूद पुलिसकर्मी आरोपी को पकड़कर ले जाने लगे, लेकिन उनके सामने ही पप्पू यादव के समर्थकों ने आरोपी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। हमला करने वाले युवक का नाम सुमित प्रधान उर्फ सुमित गिरि गोस्वामी है। वह बुलंदशहर में भाजपा का नगर मंत्री है।

पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव ने शुक्रवार को संसद में चंदा चोरी का नाटक किया था, जिसके बाद लखनऊ के एक हिंदूवादी नेता ने उनका सिर लाने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। हमले के बाद पप्पू यादव ने मीडिया से कहा- आपके सामने ही हमला हुआ है? मेरा क्या गुनाह है? गुनाह बृजभूषण तिवारी का है, चंपत राय का है। पकड़े गए आरोपी सुमित उसके साथी हैप्पी शर्मा ने मीडिया से कहा- हमने पप्पू यादव पर हमला नहीं किया।

▶8पर

पहला स्वदेशी टर्बोजेट इंजन अमेरिका-रूस की बराबरी

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)
भारत ने अपने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। डीआरडीओ की रिसर्च टीम ने देश का पहला ऐसा छोटा जेट इंजन डिजाइन किया है, जो मिसाइल और ड्रोन को उड़ाने के काम आएगा। हैदराबाद की कंपनी आजाद इंजीनियरिंग ने इस 350 किलो थ्रस्ट वाले इंजन को बनाकर तैयार कर दिया है और इसकी पहली यूनिट डीआरडीओ को सौंप दी है।

रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसके दम पर अब भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों के खास क्लब में शामिल हो चुका है, जिनके पास स्वदेशी सैन्य टर्बोजेट इंजन डिजाइन और निर्माण करने की क्षमता है।

यह जेट इंजन मिसाइल और ड्रोन को उड़ाने के काम आएगा। यह छोटा इंजन काफी ताकतवर है। ऐसी आधुनिक तकनीक अब तक दुनिया के सिर्फ कुछ ही बड़े देशों के पास थी, लेकिन अब भारत भी उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है। पहले भारत को मिसाइलों और ड्रोन के लिए ऐसे इंजन विदेशों से खरीदने पड़ते थे, अब भारत खुद अपने देश में इन्हें बनाएगा, जिससे दूसरों पर निर्भरता खत्म होगी।

क्या है एक्सपेंडेबल टर्बोजेट इंजन?
अब सवाल यह है कि आखिर एक्सपेंडेबल टर्बोजेट इंजन क्या होता है? इसे ऐसे समझिए कि फाइटर जेट्स के इंजन कई हजार घंटों की उड़ानों के लिए बनाए जाते हैं, जबकि मएक्सपेंडेबलफ टर्बोजेट इंजन केवल एक ही मिशन के लिए डिजाइन किए जाते हैं। यह इंजन मिसाइल या ड्रोन को लॉन्च होने से लेकर उसके टारगेट तक पहुंचने तक पावर देता है और फिर हथियार के साथ ही नष्ट हो जाता है। इसमें दशकों की सर्विस लाइफ के बजाय कॉम्पैक्ट साइज (छोटा आकार), हल्का वजन, विश्वसनीयता और कम निर्माण लागत पर फोकस किया जाता है।

* यह इंजन क्या-क्या कर सकता है?
* यह लंबी दूरी वाली क्रूज मिसाइलों को दूर तक उड़ान भरने में मदद करेगा।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

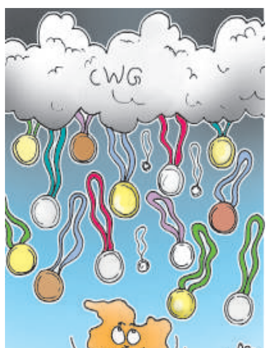

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

खुलकर बोलेगी हसीना

5 को नई दिल्ली से बांग्लादेश को संबोधन

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)
बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सत्ता गंवाने के लगभग दो साल बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने आने जा रही हैं। वे 5 अगस्त को नई दिल्ली में होने वाले एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करेंगी। इस दौरान वे अपने राजनीतिक रोडमैप और बांग्लादेश वापस लौटने की योजनाओं पर खुलकर बात कर सकती हैं। दरअसल, यह स्पेशल प्रोग्राम नई दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया (एफसीसी साउथ एशिया) की ओर से हो रहा है। यह संवाद 5 अगस्त 2026 को शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक मथुरा रोड स्थित सर मार्क टली ऑडिटोरियम में होगा। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि यह कार्यक्रम ठीक उसी दिन हो रहा है, जब दो साल पहले यानी 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना का 15 साल पुराना शासन खत्म हुआ था। बांग्लादेश में छात्रों के उग्र आंदोलन के बाद उन्हें अचानक देश छोड़कर भारत आना पड़ा था। भारत आने के बाद से ही शेख हसीना सार्वजनिक कार्यक्रमों और मीडिया की नजरों से दूर रही हैं।

▶8पर

चिन्मय को जमानत, फिर भी जेल से नहीं होंगे रिहा

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)
बांग्लादेश के हाई कोर्ट ने रविवार (2 अगस्त) को जेल में बंद हिंदू अधिकार नेता चिन्मय कृष्ण दास को दो मामलों में जमानत दे दी है। हालांकि, जमानत मिलने के बावजूद उनकी तत्काल जेल से रिहाई नहीं होगी, क्योंकि उनके खिलाफ चार अन्य मामले अभी लंबित हैं। उनके वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने इसकी जानकारी दी है।

चिन्मय कृष्ण दास एक हिंदू संत हैं। उन्हें नवंबर 2024 में राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश में विरोध-प्रदर्शन और सांप्रदायिक तनाव देखने को मिला था। इसके बाद उनके खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश और तोड़फोड़ समेत कई अन्य

▶8पर

नेपाल सरकार का संगठनों से समझौता, हिंदू राष्ट्र पर तीन महीने में सर्वदलीय चर्चा शुरू करने पर सहमति

काठमांडू

विभिन्न हिंदू संगठनों के आंदोलन के बाद जागी नेपाल सरकार ने महत्वपूर्ण समझौता किया है। धनुषा के प्रमुख जिलाधिकारी प्रेम प्रसाद लुइटेल ने बताया कि इस समझौते में नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने से लेकर धार्मिक स्थलों की निगरानी, विदेशी फंडिंग की जांच और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदु शामिल किए गए हैं।

समझौते के अनुसार, सरकार तीन महीने के भीतर नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के मुद्दे पर सर्वदलीय और सर्वपक्षीय चर्चा प्रारंभ करेगी तथा आवश्यक संवैधानिक और राजनीतिक प्रक्रिया आगे बढ़ाने की पहल करेगी। लंबे समय से हिंदू संगठनों की यह प्रमुख मांग रही है।

समझौते में धार्मिक जुलूसों के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर भी सख्ती बरतने का निर्णय लिया गया है। विशेष रूप से मुहर्रम व अन्य किसी भी धार्मिक जुलूस में हथियार लेकर प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा, ताकि कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक को सद्भाव बनाए रखा जा सके।

धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के उपयोग को भी नियंत्रित करने पर सहमति बनी है। इसके तहत मस्जिद, मदरसा, चर्च, गुम्बा तथा अन्य धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर केवल संबंधित परिसर के भीतर सुनाई देने की सीमा तक ही बजाए जा सकेंगे।

समझौते के अनुसार, मस्जिदों, मदरसों, चर्चों और गुम्बाओं में रहने वाले लोगों की पहचान दर्ज कर उनका अभिलेख तैयार किया जाएगा। साथ ही इन स्थलों से जुड़े विदेशी नागरिकों पर निगरानी बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है।

सरकार ने मुस्लिम आयोग की आवश्यकता और औचित्य का पुनर्मूल्यांकन करने पर भी सहमति जताई है। यदि समीक्षा के बाद इसकी आवश्यकता नहीं पाई गई तो इसे समाप्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है।

इसके अलावा मस्जिदों और मदरसों को प्राप्त होने वाली आर्थिक सहायता और विदेशी फंडिंग की विस्तृत जांच कराई जाएगी, ताकि वित्तीय स्रोतों की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। समझौते में वर्ष 2006/07 के बाद प्रदान की गई नेपाली नागरिकताओं की भी जांच करने का प्रावधान रखा गया है। सरकार इस अवधि में जारी नागरिकताओं की वैधानिकता की समीक्षा करेगी। धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई करने पर सहमति बनी है।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका के रेस्तरां में ताबड़तोड़ फायरिंग, देखते ही देखते बिछ गईं लाशें

वाशिंगटन। अमेरिका के आयडहो राज्य में एक बर्गर रेस्तरां में हुई अंधाधुंध गोलीबारी से दहशत फैल गई। दक्षिण आयडहो स्थित एक रेस्तरां में हुई इस घटना में हमलावर समेत कई लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक मृतकों की आधिकारिक संख्या जारी नहीं की है। पुलिस का कहना है कि हमले के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए जांच जारी है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने बताया था कि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन बाद में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटनास्थल को सील कर फोरेंसिक टीम और जांच अधिकारियों ने साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शी लेन कोएहन के अनुसार, वह रेस्तरां के बाहर मौजूद थे, तभी एक व्यक्ति एआर-स्टाइल राइफल से लोगों पर गोलीबारी करने लगा। इसी दौरान वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने अपनी पिस्तौल से हमलावर पर जवाबी फायरिंग की। कुछ ही देर बाद रेस्तरां की वर्दी पहने एक कर्मचारी घायल व्यक्ति को बाहर निकालता दिखाई दिया, जिसके सीने में गोली लगी थी और काफी खून बह रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर को भी जवाबी कार्रवाई में मार गिराया गया।

अमेरिकी रक्षा सचिव ने मांगा 1.5 ट्रिलियन डालर का रिकार्ड रक्षा बजट, निजी निवेश और नई भर्तियों से सैन्य विस्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से 1.5 ट्रिलियन डालर

के ऐतिहासिक रक्षा बजट की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि सरकार इस विशाल बजट को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही है। हेगसेथ के अनुसार, यह बढ़ा हुआ सैन्य खर्च, निजी क्षेत्र का निवेश और रिकार्ड स्तर पर हुई नई भर्तियां अमेरिकी सुरक्षा बलों को एक नया आकार दे रही हैं। हेगसेथ ने बताया कि यह फंडिंग के पारंपरिक तरीके से अलग होगा। ट्रंप प्रशासन ने रक्षा ठेकेदारों को केवल सरकारी फंडिंग पर निर्भर रहने के बजाय निजी पूंजी का उपयोग करके अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसके परिणामस्वरूप, अब तक रक्षा कंपनियों द्वारा 75 बिलियन डालर का निजी निवेश हुआ है, जिससे नए प्लांट, उपकरण और असेंबली लाइन बन रही हैं। यह भविष्य के हथियारों के निर्माण को गति दे रहा है और करदाताओं के पैसे भी बचा रहा है। रक्षा सचिव ने भर्ती में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैरिट को शामिल करने, सोशल इंजीनियरिंग को हटाने और कमांडरों को अनुशासन लागू करने की छूट देने से भर्ती में रिकार्ड वृद्धि हुई है। हेगसेथ ने इस प्रवृत्ति को सीधे राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व और 2024 के चुनाव के दिन से जोड़ा, जब अमेरिकी लोगों ने उनके नेतृत्व में काम करने की इच्छा व्यक्त की।

नेतन्याहू की गाजा दुविधा: ट्रम्प को खुश करें या कुर्सी बचाएं

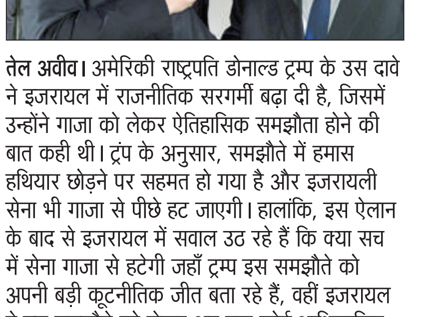

तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे ने इजरायल में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है, जिसमें उन्होंने गाजा को लेकर ऐतिहासिक समझौता होने की बात कही थी। ट्रंप के अनुसार, समझौते में हमास हथियार छोड़ने पर सहमत हो गया है और इजरायली सेना भी गाजा से पीछे हट जाएगी। हालांकि, इस ऐलान के बाद से इजरायल में सवाल उठ रहे हैं कि क्या सच में सेना गाजा से हटेगी जहाँ ट्रम्प इस समझौते को अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बता रहे हैं, वहीं इजरायल ने इस समझौते को लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, और देश के भीतर इसका तीव्र विरोध हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जब तक हमास पूरी तरह हथियार नहीं छोड़ देता, गाजा से सेना हटाने का सवाल ही नहीं उठता। इजरायल में कथित समझौते को लेकर तीव्र विरोध है क्योंकि जनता के मन में 7 अक्टूबर 2023 के हमले की कड़वी यादें ताजा हैं। हमास के उस हमले के बाद, इजरायल ने गाजा में बड़ा सैन्य अभियान छेड़ा था, जिसमें 73,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए और गाजा का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया।

इंडोनेशिया में फेरी बोट में भीषण आग, जान बचाने के लिए समुद्र में कूदे यात्री

5 लोगों की मौत, 225 को बचाया गया; 41 अब भी लापता, राहत एवं बचाव अभियान जारी

जकार्ता/मादुरा द्वीप (इंडोनेशिया),।

इंडोनेशिया के मादुरा द्वीप के निकट रविवार सुबह एक यात्री फेरी बोट में भीषण आग लग गई। आग लगते ही जहाज में अफरा-तफरी मच गई और कई यात्रियों ने जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगा दी। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अब भी लापता हैं।

इंडोनेशिया की राष्ट्रीय सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के अनुसार, फेरी में कुल 271 यात्री एवं चालक दल के सदस्य सवार थे। दोपहर तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि लापता लोगों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

बताया गया कि फेरी ईस्ट जावा प्रांत के सुराबाया से साउथ सुलावेसी के मकासार जा रही थी। इसी दौरान मादुरा द्वीप के समीप उसमें अचानक आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है और मामले की जांच की जा रही है।

आग लगते ही मची अफरा-तफरी,

हादसे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें यात्री जलती हुई फेरी के अगले हिस्से की ओर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। आग तेजी से फैलने के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई और कई लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगा दी।

रॉयटर्स के अनुसार, बचाव दल आसपास के समुद्री क्षेत्र में लापता लोगों की तलाश कर रहा है।

राष्ट्रीय सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद कई बचाव नौकाओं एवं अन्य संसाधनों को घटनास्थल पर भेजा गया। राहत दल समुद्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चला रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि बचाव अभियान अभी जारी है, इसलिए मृतकों एवं लापता लोगों की संख्या में बदलाव संभव है।

पिछले वर्षों में भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

इंडोनेशिया में फेरी बोट में आग लगने की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं।

जुलाई 2025: नॉर्थ सुलावेसी प्रांत के निकट 'केएम बार्सिलोना-5' नामक फेरी में आग लग गई थी। उस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि लगभग 150 लोगों को सुरक्षित बचाया गया था। फेरी में करीब 280 लोग सवार थे।

मई 2021: 'केएम कार्य इंदाह' नामक फेरी टरनेटे से रवाना होने के कुछ ही समय बाद आग की चपेट में आ गई थी। उस समय यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को जान बचाने के लिए समुद्र में कूदना पड़ा था। स्थानीय मछुआरों एवं बचाव एजेंसियों की मदद से 181 यात्रियों (जिनमें 22 बच्चे शामिल थे) तथा 14 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया था। इस हादसे में किसी की मृत्यु नहीं हुई थी।

इंडोनेशिया में बार-बार क्यों होते हैं फेरी हादसे?

विशेषज्ञों के अनुसार इंडोनेशिया में फेरी दुर्घटनाओं के पीछे कई प्रमुख कारण हैं

इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा द्वीपीय देश है, जहां 17 हजार से अधिक द्वीप हैं। एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक आवागमन के लिए फेरी सेवाएं लोगों की दैनिक आवश्यकता हैं।

प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री एवं मालवाहक फेरी समुद्री मार्गों पर संचालित होती हैं। कई जहाज पुराने होने, समय पर रखरखाव नहीं होने तथा कई मामलों में क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जाने के कारण दुर्घटना का जोखिम बढ़ जाता है।

खराब मौसम, ऊंची समुद्री लहरें और तेज धाराएं भी हादसों की आशंका को बढ़ाती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन न होना तथा नियमित निगरानी में कमी भी इंडोनेशिया में बार-बार होने वाले फेरी हादसों का एक प्रमुख कारण है।

नेपाल के कई प्रांतों में भारी बारिश का अलर्ट

काठमांडू,

नेपाल जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा ने बताया कि वर्तमान में मानसूनी ट्रफ पश्चिमी नेपाल में अपनी औसत स्थिति के आसपास तथा पूर्वी नेपाल में सामान्य स्थिति से कुछ उत्तर की ओर स्थित है।

सुदूर पश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्र में आंशिक बादल छाए हुए हैं, जबकि देश के अधिकांश हिस्सों में आंशिक से सामान्य रूप से बादल छाए हुए हैं। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश पहले से ही हो रही है। दिन के समय पूरे देश में सामान्य से पूर्ण रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। पहाड़ी क्षेत्रों के कई स्थानों तथा तराई के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

वहीं, हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा या हिमपात हो सकता है। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा की भी संभावना जताई गई है। रात के समय भी मौसम का यही क्रम जारी रहने की संभावना है। देश के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। कोशी, बागमती और गण्डकी प्रदेश के हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों के साथ-साथ लुम्बिनी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमालयी जिलों में भी कहीं-कहीं मध्यम वर्षा या हिमपात का पूर्वानुमान है। विभाग ने मधेश प्रदेश के अधिकांश तराई क्षेत्रों तथा कोशी, बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी प्रदेश के तराई इलाकों में भी मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। सुदूरपश्चिम के तराई क्षेत्र के कुछ स्थानों पर भी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, कोशी, बागमती और गण्डकी प्रदेश के हिमालयी, पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के कुछ स्थानों तथा मधेश प्रदेश और लुम्बिनी के तराई क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने की भी आशंका है।

मौसम विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़, भूस्खलन, मलबा बहाव और मिट्टी कटाव जैसी घटनाएं हो सकती हैं। साथ ही, प्रतिकूल मौसम का असर दैनिक जनजीवन, कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यटन, पर्वतारोहण तथा सड़क और हवाई यातायात पर भी पड़ सकता है। विभाग ने नागरिकों से मौसम संबंधी नवीनतम बुलेटिन पर लगातार नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

सांपों की ताकत और लंबाई जानकर हैरत में पड जाएंगे आप

न्यूयार्क। क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे लंबा सांप रेटिकुलेटेड पायथन माना जाता है। यह मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया के घने जंगलों में पाया जाता है और इसकी लंबाई 20 से 30 फीट या उससे भी अधिक हो सकती है। यह जहरीला नहीं होता, बल्कि अपने मजबूत शरीर से शिकार को कसकर पकड़ता है और उसका दम घोंटकर उसे निगल जाता है। ग्रीन एनाकोंडा को दुनिया का सबसे भारी सांप माना जाता है। यह दक्षिण अमेरिका के दलदली इलाकों, नदियों और वर्षावनों में रहता है। इसकी लंबाई सामान्यत: 20 से 25 फीट तक होती है, जबकि वजन 200 किलोग्राम से अधिक हो सकता है। पानी में रहने और तैरने की इसकी क्षमता इसे बेहद खतरनाक शिकारी बनाती है। बर्मीज़ पायथन भी विशाल सांपों की सूची में प्रमुख स्थान रखता है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में मिलने वाला यह अजगर 16 से 23 फीट तक लंबा हो सकता है।यह अपनी ताकत के साथ-साथ बेहतरीन तैराकी के लिए भी जाना जाता है और विभिन्न प्रकार के जानवरों का शिकार करता है। अफ्रीकन राक पायथन अफ्रीका का सबसे बड़ा सांप माना जाता है। इसकी लंबाई करीब 20 फीट तक पहुंच सकती है। यह अत्यंत शक्तिशाली और आक्रामक स्वभाव का होता है तथा अपने शिकार को जकड़कर उसका दम घोंट देता है। इसी वजह से इसे दुनिया के सबसे खतरनाक अजगरों में भी गिना जाता है।

सऊदी अरब की प्यास बुझाने के लिए अंटार्कटिका से हिमखंडों का सफर: 1977 की अनोखी योजना

रियाद

करीब पांच दशक पहले, सऊदी अरब में मीठे पानी की गंभीर समस्या का समाधान खोजने के लिए बेहद अनोखी वैज्ञानिक योजना पर विचार हुआ था। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत, अंटार्कटिका से विशाल हिमखंडों (आइसबर्ग) को समुद्र के रास्ते खींचकर अरब प्रायद्वीप तक लाने का विचार था। इस अवधारणा की व्यवहार्यता परखने के लिए, वर्ष 1977 में अलास्का से एक विशाल बर्फ का टुकड़ा हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका के आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी तक पहुंचाया गया, ताकि वैज्ञानिक वास्तविक ग्लेशियर की बर्फ का अध्ययन कर सकें।

यह पहल सऊदी अरब के राजकुमार मोहम्मद अल-फैसल के समर्थन से शुरू हुई थी। वह उस समय सऊदी अरब के समुद्री जल को मीठा बनाने (डिसेलिनेशन) कार्यक्रम की देखरेख कर रहे थे और उनका मानना था कि डिसेलिनेशन प्रभावी होते हुए अत्यधिक महंगा और ऊर्जा-गहन विकल्प है। इसलिए उन्होंने प्राकृतिक हिमखंडों को मीठे पानी के वैकल्पिक स्रोत के रूप में उपयोग करने की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया। इस विचार को आगे बढ़ाने के लिए, अक्टूबर 1977 में आयोवा के एम्स शहर में फर्स्ट

इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आन आइसबर्ग यूटिलाइजेशन का आयोजन किया गया, जिसमें 18 देशों के लगभग 200 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान, प्रतिभागियों को केवल सैद्धांतिक चर्चाओं तक सीमित न रखकर, वास्तविक हिमखंड की बर्फ का अध्ययन कराने का निर्णय लिया। इसी उद्देश्य से, अलास्का की पोर्टेज झील से करीब 1,133 किलोग्राम वजनी बर्फ का एक टुकड़ा हेलीकाप्टर, विमान और रेफ्रिजरेटेड ट्रक की जटिल श्रृंखला के माध्यम से आयोवा लाया गया। इस पूरी प्रक्रिया पर उस समय करीब 8,500 अमेरिकी डालर खर्च हुए, जिसके कारण इसे दुनिया का सबसे महंगा बर्फ का टुकड़ा कहा गया। राजकुमार अल-फैसल ने उद्देश्य से आइसबर्ग ट्रांसपोर्ट इंटरनेशनल नामक कंपनी भी बनाई थी, जिसका लक्ष्य लगभग 10 करोड़ टन वजनी हिमखंडों को विशेष प्लास्टिक और सेलब्लाथ से ढककर शक्तिशाली टगबोट्स के माध्यम से अंटार्कटिका से सऊदी अरब तक लाना था।

फ्रांस के द्वीप पर गधे घूमते है रंग-बिरंगी और चेकदार पैंट पहनकर

पेरिस

फ्रांस के एक खूबसूरत द्वीप पर गधे बाकायदा इंसान जैसी पैंट या पजामा पहनकर घूमते हैं। फ्रांस के पश्चिमी तट पर ला रोशेल के पास स्थित इल-दे-रे नामक एक बेहद खूबसूरत टापू मौजूद है। यह टापू अपने रेतीले समुद्र तटों, शांत माहौल और ठंडी हवाओं के लिए पर्यटकों के बीच बेहद मशहूर है।

इस टापू की सबसे अनूठी पहचान यहां रहने वाले गधे हैं, जो किसी आम जानवर की तरह नहीं, बल्कि रंग-बिरंगी और चेकदार पैंट पहनकर सड़कों व पार्कों में घूमते हुए दिखाई देते हैं। इन गधों को स्थानीय रूप से एन्स एन कुलोट यानी पैंट पहने हुए गधे कहा जाता है। ये कोई सामान्य गधे नहीं हैं, बल्कि यह गधों की सबसे बड़ी और दुर्लभ प्रजातियों में से एक पाइटौ नस्ल के गधे हैं। फ्रांस के पाइटौ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले इन गधों की सबसे बड़ी खासियत इनका भारी-भरकम शरीर और उस पर लटकते हुए लंबे, उलझे और घने बाल होते हैं, जिन्हें कादानेत कहा जाता है। अपनी ताकत और लंबे कद-काठी के कारण प्राचीन समय में इन गधों का इस्तेमाल इल-दे-रे टापू के नमक के दलदली मैदानों और खेतों में बोझा ढोने और काम करने के लिए किया जाता था। अब सवाल यह उठता है कि इन गधों को पैंट पहनाने की जरूरत क्यों पड़ी

दरअसल, जब ये गधे नमक के दलदली मैदानों और खेतों में काम करते थे, तो दलदल में पनपने वाले जहरीले मच्छर और कीड़े-मकोड़े इनकी टांगों पर काटकर इन्हें बहुत परेशान करते थे। कीड़ों के काटने से गधों के पैरों में गंभीर इन्फेक्शन हो जाता था। इस समस्या का अनोखा हल निकालते हुए इनके मालिकों ने पुराने पर्दे वाले कपड़ों या गद्दों के कवर वाले धारीदार कपड़ों से गधों की चारों टांगों के लिए पजामा सिलना शुरू कर दिया। काम पर जाने से पहले रोज सुबह गधों को यह पैंट पहना दी जाती थी, जिससे कीड़े उनके पैरों तक न पहुंच सकें और उन्हें संक्रमण से बचाया जा सके। आजकल मशीनीकरण के कारण नमक के मैदानों में इन गधों से काम लेना बंद कर दिया गया है। लेकिन, इसके बावजूद यह परंपरा आज भी पूरी तरह से जिंदा है और काम कर रही है! हालांकि, अब इसका उद्देश्य बदल चुका है।

अब गधों को खेती के लिए नहीं, बल्कि इस ऐतिहासिक परंपरा को जीवित रखने और टापू पर आने वाले पर्यटकों व बच्चों को आकर्षित करने के लिए पैंट पहनाई जाती है। टापू के सेंट-मार्टिन-दे-रे स्थित बारबेट पार्क में पर्यटक अप्रैल से अक्टूबर के महीनों में आज भी इन पैंट पहने गधों को देख सकते हैं, उनके साथ तस्वीरें खिंचवा सकते हैं और उनकी सवारी का लुत्फ उठा सकते हैं।

एक दौर था जब पाइटौ नस्ल के खच्चरों की पूरी दुनिया में भारी मांग थी और इन्हें दुनिया का सबसे बेहतरीन कामकाजी खच्चर माना जाता था। मध्य 20वीं सदी तक हर साल 30,000 से ज्यादा खच्चरों को दुनिया भर में निर्यात किया जाता था। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मशीनों के आने से इनकी मांग खत्म हो गई और 1977 तक दुनिया में सिर्फ 44 शुद्ध पाइटौ गधे ही बचे थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। आप मोबाइल या टीवी पर आवश्यकता से अधिक समय जाया कर सकते हैं। लगता है कि आपका जीवनसाथी आज बहुत ख़ुश है। आपको सिर्फ़ वैवाहिक जीवन से जुड़ी उसकी योजनाओं में मदद करने की ज़रूरत है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। आपके जीवनसाथी का आन्तरिक सौन्दर्य बाहर भी पूरी तरह महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। आज कोई उलझन आपको दिन भर तंग कर सकती है। इस उलझन को दूर करने के लिए आपको अपने घर वालों से बात करनी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं ।अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है। संयमपूर्वक अपनी योजना को अन्तिम रुप दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपकी निजी ज़िंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अ दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आपके किये गये कामों को आज आपके सीनियर्स के द्वारा सराहा जाएगा जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान दौड़ जाएगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका रूखा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड ख़राब कर सकता है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको तोहफ़े/उपहार दे सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता कुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। वे आपको सुकून और राहत दे सकते हैं। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 अगस्त 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण, कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 10:56 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 10:01 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 09:13 तक
करण : कौलव प्रातः 11:10 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:56 ,सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नागपंचमी, गण्डमूल रात्रि 10:01 से , पंचक चालू है , आश्लेषा में रवि प्रातः 10:00 से , चातुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जिनवाणी का श्रवण ही मोक्ष का सच्चा मार्ग : साध्वीवृंद

जैन श्री संघ, मलकपेट के चातुर्मास में धर्मसभा, प्रवचन एवं धार्मिक प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास-2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. ङ्खमधुकरङ्खङ्ग की पावन परंपरा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. ङ्खभीमङ्गङ्ख के पावन सान्निध्य से प्रेरित जिन शासन चंद्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएंजिन शासन दीपिका मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ङ्खराजुलङ्खङ्ग, मुस्कानप्रिय स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. सुखपूर्वक विराजमान हैं।

आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में चातुर्मास सहसंयोजक दिलीप गादिया ने बताया कि धर्मसभा का शुभारंभ पूज्य महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने प्रेरणादायी गीतिका के साथ किया। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास का समय भगवान महावीर की देशना एवं जिनवाणी को सुनने, समझने और जीवन में धारण करने का श्रेष्ठ अवसर है। जो व्यक्ति जिनवाणी को आत्मसात करता है, वही मोक्ष के वास्तविक मार्ग पर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि संसार का वास्तविक स्वरूप केवल जिनवाणी के माध्यम से ही समझा जा सकता है। संसार में कहीं भी जाने के लिए धन और शक्ति पर्याप्त हो सकते हैं, किंतु मोक्ष प्राप्ति के लिए धर्म का प्रमाण आवश्यक है। इसके लिए जीवन में सरलता, पवित्रता और कोमलता जैसे गुणों का होना अनिवार्य है। उन्होंने वैराग्य के तीन स्वरूपमोह द्रवित, दुःख द्रवित एवं लोभ द्रवितका उल्लेख करते हुए कहा कि कर्मों का क्षय होने पर ही भगवान के दर्शन एवं मोक्ष मार्ग की अनुभूति संभव होती है।

पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो व्यक्ति आस्था, श्रद्धा और विश्वास के साथ जिनवाणी का श्रवण कर उसका चिंतन एवं मनन करता है, वही कर्मबंधन से मुक्त होकर मोक्ष की दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य में मोक्ष की इच्छा तो होती है, लेकिन आत्मचिंतन आवश्यक है कि क्या हमारे कर्म वास्तव में मुक्ति के योग्य हैं। उन्होंने कहा कि जब तक कर्म शुद्ध एवं हल्के नहीं होते, तब तक मोक्ष का द्वारा नहीं खुलता। धर्म मनुष्य को जोड़ता है और कर्मबंधन से दूर करता है। भगवान महावीर की जिनवाणी हीरे-मोतियों के समान अमूल्य निधि है, इसलिए चातुर्मास के इन चार महीनों में अधिकाधिक धर्मलाभ प्राप्त करना चाहिए। जिन शासन दीपिका पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ङ्खराजुलङ्खङ्ग ने कहा कि भगवान महावीर की वाणी सुनकर पापी से पापी व्यक्ति भी धर्ममार्ग पर अग्रसर हो सकता है। प्रभु महावीर दया, करुणा और कृपा के सागर हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान के बिना मोक्ष मार्ग की प्राप्ति संभव नहीं है तथा त्याग और तप के बिना जीवन सार्थक नहीं बन सकता। जो समय का सदुपयोग करता है, वही धर्म को सही अर्थों में समझकर कर्मबंधन से मुक्त होने का प्रयास करता है।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने सभा का संचालन करते हुए कहा कि गुरुवार्या का सान्निध्य प्राप्त होना सभी के लिए सौभाग्य की बात है। यदि उनके एक भी उपदेश को जीवन में उतार लिया जाए तो जीवन धन्य हो सकता है। श्रीमती प्रीती नाबेड़ा ने गुरु महिमा पर भावपूर्ण गीतिका प्रस्तुत की।

उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित प्रतिदिन प्रवचन में उपस्थित होकर जिनवाणी श्रवण करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि आयम्बिल, एकासन तथा नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप की श्रृंखला निरंतर चल रही है। आज आयम्बिल का लाभ श्रीमती चेतनाजी सिंघवी तथा एकासन का लाभ श्रीमती सरोजजी कोठारी ने लिया, जबकि आगामी दिवस का आयम्बिल श्रीमती सुनीताजी कोचेटा एवं एकासन श्रीमती सरोजजी कोठारी द्वारा किया जाएगा।

प्रवचन के उपरांत श्री जैन महिला मंडल द्वारा धार्मिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के पुरस्कारों के लाभार्थी श्री माणकचंदजी, अशोकजी, राहुलजी एवं रुदेवजी सिंघवी परिवार रहे। मंडल की ओर से श्रीमती लीलाबाई चोपड़ा एवं श्रीमती जयश्री गादिया ने लाभार्थी परिवार का सम्मान किया।

इसके पश्चात श्री प्रेमराजजी, पवनजी एवं मुकेशजी नाहर परिवार (चैतन्यपुरी) की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जैन श्री संघ द्वारा लाभार्थी परिवार का शाल, दुपट्टा, साड़ी एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। स्वागत एवं बहुमान चातुर्मास स्वागताध्यक्ष श्री गौतमचंदजी चाणोदिया, मंत्री अशोकजी सिंघवी, उपाध्यक्ष गिरिराज सिंघी तथा महिला मंडल की लाडूबाई लूणिया एवं संगीता विमलजी कोठारी ने किया।

दिलीप गादिया ने बताया कि आगामी चार माह के दौरान प्रतिदिन प्रवचन, स्वाध्याय, तप, संस्कार शिविर, धार्मिक अनुष्ठान एवं विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिनका लाभ अधिकाधिक श्रद्धालु प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम में त्रयनगर क्षेत्र के विभिन्न जैन संघों, विशेषकर श्रमणोपासक संघ, चैतन्यपुरी संघ, फीलखाना संघ, जैन श्री संघ, महिला मंडल, नवयुवक मंडल एवं जैन यूथ मंडल, मलकपेट के बड़ी संख्या में धर्मानुरागी श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने पूज्य साध्वीवृंद से आशीर्वाद एवं धर्मलाभ प्राप्त किया।

जैन दिवाकर चालीसा का सामूहिक जाप श्रद्धापूर्वक संपन्न

श्री जैन दिवाकर संघ के तत्वावधान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने की सहभागिता

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन दिवाकर संघ, हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में गुरुदेव जैन दिवाकर चौथमलजी महाराज साहब के महा चमत्कारी जैन दिवाकर चालीसा का सामूहिक जाप शनिवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। यह धार्मिक आयोजन श्री राजेंद्र कुमारजी, श्री सुरेश कुमारजी एवं श्री महावीरजी भंसाली के निवास पर आयोजित किया गया।

जाप कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष मदनलाल संचेती, महामंत्री अशोक बाबेल, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार तातेड़, राजेश टोडरवाल, महावीर कोठारी, शेरू तातेड़, गौतमचंद श्रीश्रीमाल, विनोद श्रीश्रीमाल, राजेंद्र भंसाली, सुरेश भंसाली, महावीर भंसाली, ज्ञानचंद भंसाली, मुकेश भंसाली, सचिन भंसाली, पदम लोढ़ा, ध्रुव तातेड़, निहार भंसाली, महावीर बोहरा, महावीर ललवानी, विमलेश भूरट सहित जैन दिवाकर महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

संघ के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार तातेड़ ने बताया कि श्री जैन दिवाकर संघ, हैदराबाद के सदस्य आगामी 7 अगस्त को जालना के लिए प्रस्थान करेंगे। 8 अगस्त को जालना तपोधाम के दर्शन के साथ औरंगाबाद में विराजित महासती सत्य साधना जी महाराज साहब के दर्शन एवं वंदन का लाभ प्राप्त करेंगे।उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को नासिक में विराजित मेवाड़ प्रवर्तनी डॉ. चंदना जी महाराज साहब आदि ठाणा के दर्शन किए जाएंगे। इसी अवसर पर उपाध्याय श्री केवल मुनिजी महाराज साहब की जयंती भी श्रद्धा-पूर्वक मनाई जाएगी। इसके पश्चात 10 अगस्त को पुणे में विराजित महासती जयश्री जी महाराज साहब आदि ठाणा के दर्शन-वंदन का लाभ लेने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

ॐ सिद्धेश्वर0जय ब्रह्मेश्वर के जयघोष से गुंजायमान हुआ तिरुपति का श्रीब्रह्मर्षि आश्रम

श्रावण मास में श्री ब्रह्मेश्वर महादेव का महारुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप एवं हवन यज्ञ श्रद्धाभाव से जारी

तिरुपति, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ईश्वरीय सत्ता से विभूषित सिद्धगुरुवर ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी का कहना है कि श्रावण मास केवल भगवान शिव की आराधना का ही नहीं, बल्कि शिवत्व का अनुभव कराने वाला पावन काल है। इसी पावन अवसर पर तिरुपति स्थित श्री सिद्धेश्वर तीर्थ, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम में देवाधिदेव श्री ब्रह्मेश्वर महादेव का भक्तिमय पूजन, महारुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप एवं हवन यज्ञ पूज्य गुरुदेव के दिव्य आशीर्वाद से श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो रहा है।

दक्षिण भारत के पवित्र सप्तगिरि क्षेत्र तिरुपति की पुण्यभूमि, जहां भगवान श्री वेंकटेश्वर विराजमान हैं, वहीं स्थित श्री सिद्धेश्वर तीर्थ, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम इन दिनों ॐ सिद्धेश्वर0जय ब्रह्मेश्वर के जयघोष से गुंजायमान है। देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालु एवं गुरु भक्त शिवशक्ति की भक्ति में भावविभोर होकर भगवान भोलेनाथ का गुणगान कर रहे हैं। परम पूज्य ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने अपने संदेश में कहा कि जीवन में बुद्ध जैसा जागरण और मीरा जैसी भक्ति दोनों का समन्वय ही शिवभक्ति की पराकाष्ठा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से शिवत्व को आत्मसात कर जीवन को आध्यात्मिक ऊर्जा से प्रकाशित करने का आह्वान किया।

आयोजन से जुड़े परम गुरुभक्त शांतिलाल मेहता ने बताया कि पंचोपचार विधि से सर्वप्रथम श्रीगणेश, भगवान कार्तिकेय, जगतजननी मां पार्वती, नागराज, नंदी, कच्छप, नवग्रह एवं भगवान शिव के समस्त गणों का विधिवत पूजन एवं वंदन किया गया। इसके उपरांत श्रीब्रह्मेश्वर महादेव का भव्य महारुद्राभिषेक संपन्न हुआ।

उन्होंने बताया कि श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के श्रीनिवासजी एवं जितेंद्र श्रीमाली के आचार्यत्व में विद्वान वैदिक पंडितों द्वारा प्रतिदिन लगभग चार घंटे तक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विभिन्न पवित्र नदियों के जल, दूध, दही, घी, शहद, शर्करा, इत्र तथा लगभग 158 प्रकार के पवित्र द्रव्यों, औषधियों एवं जड़ी-बूटियों से भगवान श्री ब्रह्मेश्वर महादेव

का महारुद्राभिषेक एवं सहस्त्रधारा अभिषेक किया जा रहा है। इसके पश्चात श्रृंगार, भोग, आरती तथा प्रसाद वितरण का क्रम संपन्न होता है।श्रावण मास के विशेष अनुष्ठानों के अंतर्गत प्रतिदिन विद्वान विप्र पंडितों द्वारा महामृत्युंजय मंत्र का सामूहिक जाप तथा महामृत्युंजय हवन यज्ञ में आहुतियां अर्पित की जा रही हैं। श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से इन धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

शांतिलाल मेहता ने बताया कि श्रावणी चतुर्थी के अवसर पर आयोजित विशेष अभिषेक पूजन में कुलदीप चौहान, राजीव कामरा, राजेश जैन, जय किशन, श्रीधाम अयोध्या से मोहित शरण, डॉ. काव्या जायसवाल, राकेश विजय, पूर्व न्यायाधीश ए.के. विमल, आशीष मेहता, ओ.पी. शर्मा, अरविंद भंडारी सहित अनेक गुरु भक्तों एवं परिवारों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

इस अवसर पर कलाकारों ने भोले आ जाओ, अभिषेक हो रहा है, आनंद बरस रहा है सिद्धेश्वर तीर्थ में, सत्यम् शिवम् सुंदरम्, सिद्धेश्वर सिद्धेश्वर कृपा करो अपने भक्तों पर तथा ओ पालनहारे...जैसे भक्तिमय भजनों की मधुर प्रस्तुतियां दीं, जिनसे पूरा आश्रम शिवमय वातावरण में सराबोर हो गया और श्रद्धालु भक्ति रस में झूम उठे।

कासिपेटा में पोकर अड्डे पर टास्क फोर्स का छापा, पांच गिरफ्तार, 1.10 लाख जब्त

पेद्दापल्ली, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) कासिपेटा पुलिस थाना क्षेत्र के सोमगुडेम गांव में चल रहे नकद सट्टेबाजी के पोकर अड्डे पर रामागुंडम पुलिस आयुक्त कार्यालय की नारकोटिक्स टीम और टास्क फोर्स ने 02 अगस्त की मध्यरात्रि को छापा मारा। इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि एक घर में सट्टेबाजी के माध्यम से पोकर खेला जा रहा है। छापेमारी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 52 पोकर के मोहरे, 1,10,630 नकद, पांच मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिलें जब्त की गईं।

गिरफ्तार आरोपियों और जब्त सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कासिपेटा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि यदि किसी को भी अवैध गतिविधियों की जानकारी हो तो वह तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या रामागुंडम पुलिस आयुक्त कार्यालय की नारकोटिक्स टीम/टास्क फोर्स को सूचित करें।

यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध सट्टेबाजी को रोकने के लिए की गई है।

सावन की मस्ती में झूमीं माथुर वैश्य महिला मंडल की महिलाएं

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माथुर वैश्य महिला मंडल द्वारा सावन एवं तीज उत्सव के उपलक्ष्य में इब्राहिमपटनम स्थित श्री नेचर वैली रिजॉर्ट में ङ्खङ्खसावन की सैरङ्खङ्ग का भव्य एवं उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। दिनभर चले इस कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर उत्सव का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने बोटिंग का आनंद लिया, एडवेंचर पार्क के विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्विमिंग पूल में जमकर मस्ती की। पूरे दिन हंसी-खुशी और उत्साह का वातावरण बना रहा। सावन के झूलों, पारंपरिक गीतों और तीज उत्सव की रंग-बिरंगी छटा ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। बहनों ने एक-दूसरे के साथ हंसी-खुशी के पल साझा किए, समूह फोटो खिंचवाए तथा अनमोल यादों को अपने साथ संजोया। सभी ने कहा कि इस आयोजन ने तीज के आनंद को दोगुना कर दिया। इस सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नीलम विशाल गुप्ता का विशेष आभार व्यक्त किया गया। साथ ही मंत्र रानी, पिंकी श्याम गुप्ता, श्वेता गुप्ता, अंजली गुप्ता, शालिनी गुप्ता, मीनू गुप्ता, कंचन गुप्ता सहित महिला मंडल की समस्त सदस्याओं के सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

कोंच में कोचेश्वर महादेव महोत्सव की स्मारिका प्रकाशित कराने की मांग, विधायक ने जिला प्रशासन को पत्र लिखा

पटना, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)
0

बिहार के गया जिले के कोंच प्रखंड में सावन माह के अंतिम सोमवार को आयोजित होने वाले दो दिवसीय को-चेश्वर महादेव महोत्सव को लेकर स्थानीय विधायक अजय कुमार ने जिला प्रशासन से महोत्सव की स्मारिका या विवरणिका प्रकाशित कराने की मांग की है।

समाजसेवी हिमांशु शेखर के अनुरोध पर विधायक ने जिलाधिकारी गया को पत्र भेजकर कहा कि कोचेश्वर महादेव महोत्सव क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है। कोंच स्थित पौराणिक और ऐतिहासिक कोचेश्वर महादेव मंदिर लाखों श्रद्धालुओं का आस्था का केंद्र है। महोत्सव के दौरान स्मारिका का प्रकाशन मंदिर के धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन महत्व को व्यापक रूप से प्रचारित करने में सहायक होगा।

राजद जिला अध्यक्ष सुभाष यादव ने कहा कि स्मारिका के माध्यम से कोंच क्षेत्र की समृद्ध विरासत, स्थानीय संस्कृति, पुरातात्विक महत्व और महोत्सव की उपयोगिता को आम जनता तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सकेगा। वहीं, हिमांशु शेखर ने कहा कि महोत्सव को केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि स्मारिका के जरिये इसके उद्देश्यों को नई दिशा देकर क्षेत्र के धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

राशि अनुसार चुनें पर्स का कलर

आपका पर्स और आपकी राशि

कभी तिजौरी का घर, दुकान आदि में बड़ा महत्व होता था क्योंकि वही एकमात्र धन को संग्रह करने का स्थान था। समय बीता और तिजौरी का स्थान धीरे-धीरे हटने लगा, परिणामस्वरूप आज तिजौरी बहुत कम यदा-कदा ही मिलती है। वास्तु में भी तिजौरी का वर्णन मिलता है।

पिछले कई वर्षों से पर्स का चलन बढ़ने लगा है और पर्स महिलाओं के हाथ में होना एक फैशन का रूप भी बन गया है। पुरुष वर्ग भी पर्स के बिना धन नहीं रखते। तिजौरी और पर्स में कोई विशेष अंतर नहीं रहा।

आपके पर्स का आकार, रंग आपके पर्स में रखे हुए सामान आपके जीवन में होने वाली छोटी से छोटी घटना के सूचक होते हैं। आइए जानते है इसके लाभ और हानि।

- मेष, सिंह और धनु राशि वाले अपना पर्स लाल या नारंगी रंग का रखें तो लाभ होगा।
- वृषभ, कन्या और मकर राशि वालों को भूरे रंग का पर्स तथा मटमैले रंग का पर्स बहुत फायदा पहुंचाएगा।
- मिथुन, तुला और कुंभ राशि वाले यदि नीले रंग व सफेद रंग का प्रयोग करते हैं तो मानसिक स्थिति के साथ-साथ धन के आगमन के रास्ते भी खुलेंगे।
- कर्क, वृश्चिक और मीन राशि को तो हमेशा हरा रंग और सफेद रंग का प्रयोग अपने पर्स में करना लाभदायक रहेगा।

धन प्राप्ति जब पाना हो, यह उपाय आजमाए...

अपार धन की प्राप्ति हर मनुष्य की चाहत होती है। लेकिन यह धन आपको सिर्फ चाहने भर से नहीं मिलने वाला। उसके लिए आपको मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत जरूरी है।

आइए कुछ आसान टिप्स अपना कर पाएं मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति और हो जाए धन-दौलत से समृद्ध...

- लाल धागे में सातमुखी रुद्राक्ष गले में धारण करने से धन की प्राप्ति होती है।
- सवा पांच किलो आटा एवं सवा किलो गुड़ लें। दोनों का मिश्रण कर रोटियां बना लें। गुरुवार के दिन सायंकाल गाय को खिलाएं। तीन गुरुवार तक यह कार्य करने से दरिद्रता समाप्त होती है।
- ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नम: । इस मंत्र की कमलगट्टे की माला से प्रतिदिन जप करने से ऋणमुक्ति होती है।
- मां लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने 11 दिनों तक अखंड ज्योत (तेल का दीपक) प्रज्ज्वलित करें। 11वें दिन 11 कन्या को भोजन कराकर एक सिक्का व मेहंदी दें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्रथम पूज्य श्रीगणेश का महत्व

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं।

समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अत: सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है।

यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है।

हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं।

वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अत: उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है।

ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

वास्तुदोष से बचने के कुछ खास उपाय

वास्तुदोष से बचाएंगे ये उपाय...

अगर आप स्थानाभाव की वजह से रसोईघर को स्टोर अथवा भंडारण कक्ष के रूप में इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं, तो ध्यान रखें ईशान व आग्नेय कोण के मध्य पूर्वी दीवार के पास के स्थान का उपयोग करें। चूल्हा या गैस आग्नेय कोण में ही रखें।

- वास्तुदोष से बचने के लिए ध्यान रखें कि दरवाजे व खिड़कियों की संख्या विषम न होने पाएं। इनकी संख्या सम यानी 2, 4, 6, 8 आदि रखें।
- घर में आंगन मध्य में ऊंचा तथा चारों ओर से नीचा होना चाहिए। यदि आपका आंगन वास्तु के अनुरूप न हो, तो उसे फौरन बताए गए तरीके से पूर्ण करवा लें। ध्यान रखें आंगन मध्य में नीचा व चारों ओर ऊंचा भूलकर भी न रखें।
- कोई भूखंड उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर विस्तृत हो तथा भवन का निर्माण उत्तरी भाग में हुआ हो तथा भूखंड का दक्षिणी भाग खाली पड़ा हो तो वास्तु में यह स्थिति अत्यंत दोषपूर्ण होती है।
- इस दोषपूर्ण स्थिति के चलते भूस्वामी को कष्टों तथा परेशानियों को झेलना पड़ता है। भूस्वामी को व्यापार में तथा कारोबार में हानि होती है। परिवार में तनाव का माहौल बना रहता है।
- इस स्थिति में वास्तु दोष से बचने के लिए भवन के दक्षिण-पश्चिम कोण यानी नैऋत्य कोण में एक आउट हाउस को मुख्य भवन से ऊंचा बनवाएं और उसके फर्श को भी भवन के फर्श से ऊंचा रखें। आउट हाउस के दक्षिण या पश्चिम दिशा में कोई भी द्वार न रखें।
- कभी-कभी ऐसा भी होता है कि मुख्य द्वार के ठीक सामने अंदर कोई दीवार हो। पर फिर भी उस पर आईना न लगाएं और दीवार पर ऊपर से नीचे तक गहराई का आभास देने वाला कोई प्राकृतिक दृश्य चित्र लगाएं। यह जंगल में दूर-दूर तक दिखाई देने वाली सड़क का चित्र भी हो सकता है।
- मुख्य द्वार के सामने अंदर की तरफ आईना लगाना गलत है। ऐसा करने पर घर के अंदर प्रवेश करने वाली ऊर्जा परावर्तित होकर द्वार से बाहर निकल जाती है।

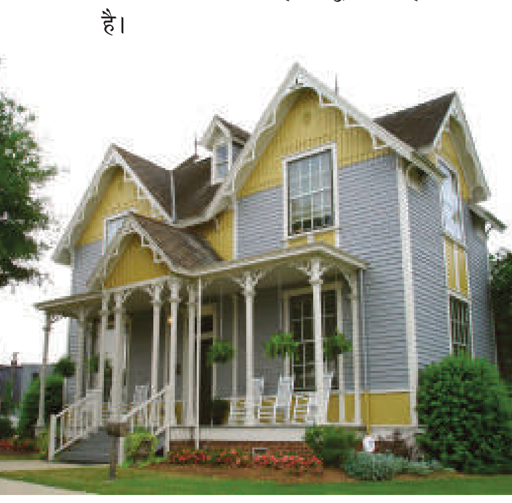

खांड के खिलौने

एक गृहस्थ खांड के तीन खिलौने लाया जो कि तीन साधुओं की मूर्तियां थीं। संयोगवश उसके यहां तीन अतिथि साधु भोजन करने आए। गृहस्थ ने उन्हें बड़ी श्रद्धा से बिठाया। इतने ही में गृहस्थ का छोटा लड़का आया और वह उन खिलौनों के बारे में पूछने लगा- 'यह क्या है, पिता जी।' गृहस्थ बोला 'यह साधु है।' बालक ने पूछा, 'इनका क्या होगा?' गृहस्थ ने कहा- 'इन्हें खाएंगे।' लड़का बोला, 'कब। गृहस्थ बोला- 'पहले इन साधुओं को भोजन कराकर हम खाना खा लें, फिर एक-एक तीनों खा लेंगे।'

गृहस्थ तो इस प्रकार अपने बालक को उन खांड के खिलौनों के बारे में बतला रहा था, उधर साधुओं ने समझा कि यह बातचीत उनके बारे में चल रही है। यह समझकर साधु उसके यहां से भागे। गृहस्थ को बड़ा अचरज हुआ। वह उनके पीछे भागा। वे लोग थककर एक जगह रुके, तो गृहस्थ ने उनके भागने का कारण पूछा।

साधुओं ने कहा कि तुम हमें मार डालना चाहते थे, हम तुम्हारी सब बात सुन रहे थे। गृहस्थ ने कहा- 'महाराज मैं तो बालक से खांड के खिलौनों के बारे में बातचीत कर रहा था।'

तब साधुओं की समझ में आया और वे वापस उसके घर गए और भोजन किया। मन की दुर्बलता से लोग ऐसे ही डरे रहते हैं जबकि वास्तविकता कुछ और ही होती है।

फेंगशुई प्रोडक्ट
ड्रैगन विंड चाइम

फेंगशुई में विंड चाइम का काफी महत्व है लेकिन 9 रॉड वाले ड्रैगन पर लटके विंड चाइम को और भी ज्यादा महत्ता दी गई है। इसकी 9 रॉड को 9वें सितारे की शक्ति प्रदान करने वाला मानते हैं। विंड चाइम्स को मैजिक बेल्स भी कहते हैं। इसे फेंगशुई के दोषों को दूर करने वाला माना जाता है। ड्रैगन विंड चाइम दो महत्वपूर्ण संदेश देता है। पहला तो यह मधुर ध्वनि के जरिए जीवन में उमंग लाता है और दूसरा यह नकारात्मक 'ची' को भी ऊर्जावान व सकारात्मक 'ची' में तब्दील करता है। इससे इसके धारक को सौभाग्य प्राप्त होता है। विंड चाइम पर ड्रैगन का बना होना शक्ति व सुरक्षा का भी सूचक है। विंड चाइम अधिकतर कॉपर, तांबे, ब्रास और स्टील के बने होते हैं। इन्हें घर के मैटल कॉनर्स में रखा जाता है, जैसे पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा। लकड़ी या बैंबू से बने विंड चाइम को पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा में सेरेमिक विंड चाइम्स रखे जाते हैं, जो प्रेम और रोमांस के लिए बेहतर माने जाते हैं। उत्तर-पूर्व दिशा में विंड चाइम को रखने से ज्ञान में बढ़ोत्तरी और घर के बीचों-बीच इसे रखने से पूरे परिवार का भला और कल्याण होता है। इसलिए धातु के विंड चाइम को रखना इस वर्ष के लिए बेहतर और सुखकारक होगा।

धन कमाने का विशेष महीना कार्तिक

कार्तिक में करें श्रीकृष्ण, तुलसी और लक्ष्मी पूजन

भगवान श्रीकृष्ण को वनस्पतियों में तुलसी, पुण्य क्षेत्रों में द्वारिकापुरी, तिथियों में एकादशी और मासों में कार्तिक विशेष प्रिय है। इसलिए कार्तिक मास को पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। स्नान, दीपदान एवं तुलसी की पूजा विशेष फलदायी है।

इस संदर्भ में स्कंद पुराण में कहा गया है :-

मासनां कार्तिक : श्रेष्ठोदेवानांमधुसूदन: ।
तीर्थ नारायणाख्यंहि त्रितयंदुर्लभंकलौ ।।

अर्थात मासों में कार्तिक, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। स्कंद तथा पद्म पुराण में यह मास धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष को देने वाला बताया गया है।

राधा-दामोदर मास : भविष्य पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण को राधा से कुंज में मिलने आने में विलंब हो गया। तब राधा क्रोधित हो गई और उन्होंने श्रीकृष्ण को लताओं की रस्सी बनाकर बांध दिया। दरअसल माता यशोदा ने कान्हा को किसी पर्व के कारण घर से निकलने नहीं दिया था। जब राधा को वस्तुस्थिति का बोध हुआ तो वे लज्जित हो गईं। उन्होंने क्षमा-याचना कर दामोदर श्रीकृष्ण को बंधनमुक्त कर दिया। इसलिए कार्तिक मास श्रीराधा-दामोदर मास भी कहलाता है।

सावन-भादो की वर्षा के बाद घरों पर छप्पर छवाने, लीपना-पोतना, नए पौधे लगाना और लक्ष्मी पूजा की तैयारी करना आरंभ हो जाता है। दिवाली के आने का आभास कार्तिक मास के लगते ही हो जाता है।

गोपाष्टमी पर गौ की पूजा, आंवला नवमी पर आंवला पूजन, देवउठनी एकादशी और माह की अंतिम तिथि कार्तिक पूर्णिमा है।

इस दौरान उज्जैन के राजाधिराज महाकाल की दो सवारी कार्तिक मास में निकलेगी। चातुर्मास की समाप्ति होगी तो बैकुंठ चतुर्दशी पर हरिहर मिलन भी होगा।

इस माह करवा चौथ, धनतेरस, रूप चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज आदि तीज-त्योहार पड़ेंगे। साथ ही कार्तिक शुक्ल प्रबोधिनी एकादशी पर तुलसी का विवाह किया जाता है। इस दिन तुलसी के पौधे को सजाया-संवारा जाएगा व भगवान शालिग्राम का पूजन होगा।

इसलिए कहा जाता है कि कृष्णप्रियो हि कार्तिक:, कार्तिक: कृष्णवल्लभ: । कार्तिक में तुलसी की पूजा विशेष फलदायी होती है।

कार्तिक में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। इस मास में धन की देवी को प्रसन्न किया जा सकता है। धन से संबंधित विशेष आराधना व उपासना, तंत्र-मंत्र-यंत्र सब इसी माह करना चाहिए।

देवालय, नदी किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में जो दीप लगाता है उसे सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। धन, आयु व आरोग्य की प्राप्ति होती है। अंधकार दूर होकर जीवन प्रकाशमान होता है।

भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। मनुष्य पुण्य का भागी बनता है और उसे लक्ष्मी कृपा प्राप्त होती है।

धीमी गति से फैलता है कार्सिनॉइड ट्यूमर

फेफड़े के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को धीमी गति का कैंसर कहा जाता है, क्योंकि इसका विकास बहुत ही धीमी गति से होता है और अन्य ट्यूमर्स की अपेक्षा शरीर के अन्य भागों में इसके फैलने की आशंका भी बहुत कम होती है। हालांकि हमेशा ऐसा नहीं होता है। कभी-कभी इसका विकास और फैलाव अपेक्षाकृत जल्दी हो सकता है।

अधिकांश कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की शुरूआत छोटी आंत में होती है, लेकिन लगभग 25 प्रतिशत फेफड़ों में शुरू होते है। कार्सिनॉइड ट्यूमर्स फेफड़ों के मध्य से शुरू होते हैं। कुछ कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेषकर जो गैस्ट्रो इंटेस्टाईन ट्रैक्ट या अपेंडिक्स में पनपते हैं वे ऐसे हार्मोन होते हैं जिनसे अनेक लक्षण उत्पन्न होते हैं। जबकि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स में कभी भी ऐसा नही होता हैं। हालांकि यह घातक होने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी धीरे धीरे बढ़ने के कारण कार्सिनॉइड ट्यूमर्स होने पर भी लोग आमतौर पर कई वर्षो तक जीवित रहते है और कभी-कभी तो एक सामान्य जीवन जीते हैं।

कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के प्रकार–फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के दो प्रकार होते हैं- विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स और असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स।

असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की अपेक्षा असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स लगभग नौ गुना ज्यादा पाए जाते हैं, इनकी फेफड़ों तक फैलने की सम्भावना बहुत कम होती है।

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट प्रकार के कार्सिनॉइड बहुत दुर्लभ होते हैं। वह असामान्य की तुलना में तेजी से बढ़ते है और इनके फेफड़ों से बाहर फैलने के ज्यादा मौके होते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स अधिकतर 45 से 55 वर्ष की आयु के पुरूषों और महिलाओं में समान रूप से पाए जाते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को वर्गीकृत करने का एक और रास्ता भी है कि उसे उनके स्थान द्वारा वर्गीकृत किया जाए। केन्द्रीय कार्सिनॉइड फेफड़ों के बीच निकट बड़े वायुमार्ग की दीवारों में पाए जाते हैं। परिधीय कार्सिनॉइड संकरा वायु मार्ग में फेफड़ों के किनारों के करीब पाए जाते हैं। दोनों केंद्रीय और परिधीय कार्सिनॉइड आमतौर पर विशिष्ट कार्सिनॉइड हैं।

दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स ट्यूमर का एक असामान्य प्रकार है जो फेफड़ों में शुरू होता हैं और अन्य प्रकार के फेफड़ों के कैंसर की तुलना में धीमी वृद्धि करते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेष प्रकार की कोशिकाओं से बनते हैं जो न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिका कहलाती हैं।

न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से कार्सिनॉइड ट्यूमर

ज्यादातर कार्सिनॉइड ट्यूमर छोटी आंत से आरंभ होते हैं लेकिन कैंसराभ फेफड़ों ट्यूमर सभी कारसीनोइड ट्यूमर के बारे में 10% का प्रतिनिधित्व करते हैं। कार्सिनॉइड फेफड़ों ट्यूमर में 1%-6% सभी फेफड़ों के ट्यूमर शामिल हैं।

यह जानने के बाद कभी नहीं चटकाएंगे उंगलियां

हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं और जहां दो हड्डियां आपस में जुड़ती हैं उसे जोड़ कहते हैं जब हम उंगलियां चटकाते हैं और इस तरह हड्डियों को एक दूसरे से दूर खींचते हैं। तो उंगलियों के जोड़ों में एक विशेष प्रकार का द्रव पाया जाता है, ऐसे में द्रव में बुलबुले बन जाते हैं। जब हम जोड़ों को काफी अधिक खींचते हैं तो यह बुलबुले फूट जाते हैं और हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक नष्ट भी हो सकते हैं।

जान का खतरा बन सकता है ट्रैफिक

खोजकर्ताओं के मुताबिक, ट्रैफिक जाम में बार-बार फंसने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप एक घंटे से ज्यादा ट्रैफिक जाम में फंसते हैं तो दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ट्रैफिक जाम के कारण गाड़ियों से निकलने वाला धुआं जहरीली गैस बनाता है, जो कि कि घर में बैठे व्यक्ति की तुलना में ट्रैफिक में फंसे लोगों को कई गुना अधिक प्रभावित करता है।

लेसिक आई सर्जरी के फायदे और नुकसान

अन्य सर्जरी की तुलना में लेसिक सर्जरी कम खतरनाक है । यह आसान है और मात्र 30 मिनट में ही हो जाती है। इसे एक बार कराने के बाद दोबारा नहीं करा सकते हैं।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे। लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे।

लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

क्या है लेसिक सर्जरी

जो लोग चश्मा पहनते हैं और जिनका पावर -1 से -10 के बीच है, उन्हें तुरंत आंखों की लेसिक सर्जरी करवानी चाहिए। जांच में देख लें कि आपके कॉर्निया की थिकनेस कैसी है। जितनी अधिक थिकनेस होगी इस सर्जरी का फायदा उतना अधिक होगा। साथ ही लेसिक सर्जरी की सबसे अच्छी बात है कि ये अन्य दूसरी सर्जरी की तुलना में ज्यादा आसान और बेहतर है। यह सस्ती होती है और इसमें कॉर्निया को नुकसान पहुंचने का खतरा न के बराबर होता है। जबकि दूसरी सर्जरी में कॉर्निया पर खतरा ज्यादा रहता है।

लेसिक सर्जरी के फायदे

- लेसिक सर्जरी 30 मिनट या उससे कम समय में हो जाती है। साथ ही यह सर्जरी आंखों के लिए काफी प्रभावी और कारगार मानी गई है, जिस कारण अधिकतर लोग आंखों के लिए लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं।
- 92-98% लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए लेसिक सर्जरी का ही सहारा लेते हैं, क्योंकि ये आंखों की दृष्टि के लिए काफी फायदेमंद होती है और किसी भी अन्य सर्जरी की तुलना में आसान और किफायती होती है।
- लेसिक सर्जरी दृष्टि से जुड़ी सभी समस्याओं और खतरों को काफी हद तक दूर कर देती है।

लेसिक सर्जरी के नुकसान

- लेसिक सर्जरी आंखों के सबसे संवेदनशील हिस्से में की जाती है और इसे दोबारा नहीं किया जा सकता है।
- लेसिक सर्जरी के कुछ दिनों के बाद ही लोगों को पढ़ने के लिए तो चश्मे की जरूरत पड़ती ही है।
- सबसे बड़ा खतरा लेसिक सर्जरी का ये है कि, ये आपकी इंश्योरेंस पॉलिसी का हिस्सा नहीं होता। मतलब की इस सर्जरी के दौरान अगर आपकी आंखों को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी न डॉक्टर की और न इंश्योरेंस विभाग की होगी।
- आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

प्राकृतिक उपायों से दूर करें होठों का कालापन

होंठों को खूबसूरत बनाने के लिए आप क्या नहीं करतीं। लिपस्टिक, लिप बाम, माश्चराइजर और ना जाने क्या-क्या। लेकिन, होंठों पर लगाए जाने वाले कई उत्पाद वास्तव में उन्हें खूबसूरत बनाने के बजाय लंबे समय में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आप भी अपने होठों के फटने या कालेपन से परेशान हैं तो इस लेख में बताए गए उपायों को अपनाकर अपनी समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

कोको बटर

दो बड़े चम्मच कोको बटर, आधा छोटा चम्मच मधु वैक्स लीजिए। उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला दीजिए। इसमें कोको बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद ब्रश की मदद से होंठों पर लगाइए। इससे होंठ मुलायम होंगे और उनका कालापन दूर हो जाएगा।

दूध की मलाई

होंठों से रूखापन हटाने के लिए थोडी सी मलाई में चुटकी भर हल्दी? मिलाकर नियमित रूप से धीरे-धीरे होठों पर मालिश करें। आप देखेंगे कि इस घरेलू उपाय से कुछ ही दिनों में आपके होठ मुलायम और गुलाबी होने लगेंगे।

गुलाब की पंखुडियां

होंठों के कालेपन को दूर करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां बहुत ही फायदेमंद होती है। इसके नियमित इस्तेमाल से होठों का रंग हल्का गुलाबी और चमकदार हो जाएगा इसके लिए गुलाब की पंखुडियों को पीसकर उसमें थोड़ी सी ग्लिसरीन मिलाकर इस घोल को रोज रात को सोते समय अपने होंठों पर लगाकर सो जाएं और सुबह धो लें।

- **नींबू**: क्या आप जानते है होंठों को कालापन नींबू से भी दूर हो सकता है। इसके लिए आप निचोड़े हुए नींबू को अपने होठों पर सुबह और शाम को रगड़ें।
- **केसर**:होंठों का कालापन दूर करने के लिए कच्चे दूध में केसर पीसकर होंठों पर मलें। इसके इस्तेमाल से होंठों का कालापन तो दूर होता ही है साथ ही वे पहले से अधिक आकर्षक बनने लगते हैं।
- **शहद**: शहद के इसॅतेमाल से कुछ ही दिनों में आपके होंठ चमकदार और मुलायम हो जाते हैं। इसके लिए थोड़ा-सा शहद अपनी उंगली में लेकर धीरे-धीरे अपने होंठों पर मलें या फिर शहद में थोड़ा सा सुहागा मिलाकर अपने होंठों पर लगाएं। ऐसा एक दिन में दो बार करें फिर देखें इसका असर।
- **अंडे की जर्दी**: अंडा खाना आपकी सेहत के लिए तो अच्छा होता ही हैं, लेकिन क्या आप जानते है यह होंठों का कालापन दूर करने में भी सहायक होता है। होंठों पर अंडे की जर्दी का लेप लगाने से होंठों की लालिमा बरकरार रहती है।
- **जैतून का तेल**: यदि होंठ पूरी तरह से फट चुके हैं और उनमें कालापन भी आ रहा है तो जैतून का तेल यानी ऑलिव ऑयल और वैसलीन मिलाकर दिन में तीन या चार बार फटे होंठों पर लगाने से फायदा होता है। इनका लेप होंठों पर 4-5 दिन लगातार लगाने से होठों की दरारें भी भरने लगती हैं और होंठ हल्के गुलाबी भी होने लगते हैं।
- **चुकंदर**: चुकंदर को ब्लड बनाने वाली मशीन भी कहते है। चुकंदर होंठ के लिए भी उतना ही फायदेमंद होता है। चुकंदर को काटकर उसके टुकड़े को होंठों पर लगाने से होठ गुलाबी व चमकदार बनते हैं।

जहरीली मकड़ी काटने पर करें ये घरेलु उपाय

घर की नियमित सफाई नहीं होती है तो मकड़ी के जालें दिखने लगते हैं। सामान्य मकड़ी द्वारा काटा जाना हमारे लिए इतना घातक नहीं होता। लेकिन कुछ खास प्रकार की मकड़ियां जैसे ब्लैक विडो, या ब्राउन स्पाइडर इनका काटना खतरनाक भी हो सकता है। ये मकड़ियां काफी जहरीली होती हैं। इन मकड़ियों के काटने पर जब यह अपना जहर काटे गए हिस्से में छोड देती है तो वहां सूजन, तेज खुजली, दर्द, लाल हो जाना और जलन जैसे लक्षण उभर कर सामने आते हैं। ऐसे में हम कुछ घरेलु उपचारों द्वारा इस परेशानी से निजात पा सकते हैं-

सबसे पहले काटे गए स्थान को अच्छे से धो लें और फिर बर्फ से सिकाई करें। इस से न सिर्फ जलन और दर्द में राहत मिलेगी बल्कि सूजन भी कम होगी। याद रहे कि बर्फ को सीधे उस जगह पर न रखें नही तो जलन और तेज हो सकती है। बेकिंग सोडा एक या दो चम्मच लेकर पानी के साथ मिलकर पेस्ट बना लें और काटने के स्थान पर लगाएं। इस विधि से काटे गए स्थान पर जल्दी राहत मिल जाएगी।

यदि एक बार में काम न चलें तो इस विधि को कुछ समय बाद दोबारा भी दोहराया जा सकता है। नमक इस जहर को उतारने में बहुत उपयोगी औषधि है, यह मकड़ी ही नहीं अनेकों विषाक्त कीड़ों के काटने पर राहत दे सकता है। इसके लिए एक छोटे चम्मच नमक की लेकर इसे काटे गए स्थान पर किसी कपड़े की सहायता से बांध दें। इसे तब तक बंधा रहने देना चाहिए जब तक कि सूजन कम न होने लगे।

कैंसर, डायबिटीज और मोटापे का दुश्मन है यह फल

आलूबुखारे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। कहते हैं कि एक कटोरा भर के फलों में जितने पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं उतने ही एक आलूबुखारे में होते हैं। आलूबुखारा कई पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन, पोटेशियम और फाइबर मौजूद होते हैं। आलूबुखारा खाने से कैंसर, डायबिटीज और मोटापे संबंधी कई गंभीर रोगों में आराम मिलता है।

> आलूबुखारा कई पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन, पोटेशियम और फाइबर मौजूद होते हैं।

अस्थिभंग की आशंका नहीं

एक शोध के अनुसार रोजाना आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग यानी हड्डियों की क्षति की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढ़ने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि आलूबुखारा हड्डी टूटने से बचा सकता है। अध्ययन के अनुसार यदि महिलाएं रजोनिवृत्ति के बाद इस फल का सेवन करें तो वे स्वयं को ओस्टियोपोरेसिस और हड्डी टूटने से बचा सकती हैं। अध्ययन में पता चला है कि प्रतिदिन 10 आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करने के लिए सूखे अंजीर, सूखे स्ट्रॉबेरी, सूखे सेब और किशमिश से अधिक लाभकारी है।

इन बातों का रखें ध्यान

आलूबुखारे में आयरन होता है जो एनीमिया (रक्त की कमी) के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। इसके कई तरह के पोषक तत्व शरीर को नियंत्रित करने का काम करते हैं। कोई भी व्यक्ति इसे खा सकता है लेकिन जिन्हें गले में खराश, खांसी और जुकाम की समस्या हो वे इन्हें खाने से परहेज करें। एक दिन में इनकी 100 से 150 ग्राम मात्रा खाई जा सकती है। जहां तक संभव हो इन्हें इनके मौसम में ही खाना चाहिए।

इसके हैं कई लाभ

- आलूबुखारे में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इससे पेट संबंधी समस्या दूर होकर पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। इसके सेवन से पेट में भारीपन नहीं होता है और आंतों को भी आराम मिलता है। आलूबुखारे में फैट की मात्रा कम होती है जिससे मोटापा नहीं बढ़ता और वजन नियंत्रण में रहता है।
- इसमें विटामिन ए और बीटा कैरोटीन अधिक मात्रा में होता हैं।
- विटामिन-ए, आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
- आलूबुखारे में पोषक फाइबर जिया एक्साथिन होता है जो आंखों के रेटिना को मजबूत बनाता है।
- आलूबुखारा कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। इसमें घुलनशील फाइबर होता है जो शरीर में बढ़ने वाले कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण रखता है।
- यह बालों से संबंधित समस्याओं में राहत दिलवाने में मदद करता है।

रेसिपी

मिलानो मिनेस्ट्रान

सामग्री

1/4 कप गेहूं से बना पैने, 2 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए प्याज़, 2 तेजपत्ता, 1 1/2 कप बारीख कटे हुए गाजर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई फूलगोभी, 2 टेबल-स्पून हरे मटर, 3/4 कप छिले और बारीक कटे हुए आलू, 3 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई पत्तागोभी, 1 टेबल-स्पून कोर्नफ्लॉर , 1/2 कप पानी में घोला हुआ, 2 टेबल-स्पून कटे हुए टमाटर, 4 टेबल-स्पून टमाटर की प्यूरी, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, **सजाने के लिए,** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पार्सले,

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ और तेजपत्ता डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। गाजर, फूलगोभी, हरे मटर और 5 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर बीच-बीच में हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। आलू, पत्तागोभी और गेहूं से बने पैने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर 7 से 8 मिनट या सब्ज़ी के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोर्नफ्लॉर-पानी का मिश्रण, टमाटर, टमाटर की प्यूरी, ऑरेगानो, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक पकाएं। पार्सले से सजाकर गरमा गरम परोसें।

दही सौंफीयानी टिक्की

सामग्री

1 कप चक्का दही, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 3 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पुदिना, 1 टी-स्पून सौंफ पाउडर, 1 टेबल-स्पून घी, 2 टेबल-स्पून भूनी हुई चना दाल का पाउडर, 2 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, तेल , तलने के लिए

विधि

दही, पनीर, हरी मिर्च, लहसुन, शक्कर, नमक, धनिया, पुदिना और सौंफ पाउडर को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, भुनी हुई चना दाल का पाउडर, दही का मिश्रण और कोर्नफ्लॉर डालकर मिश्रण के गाढ़े होने तक या पैन से अलग होने तक पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। मिश्रण को 8 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के गोल चपटी टिक्की बना लें। मध्यम आंच पर कढ़ाई में तेल गरम करें और टिक्की को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

नशा-मुक्त युवा से ही संभव है विकसित भारत का सपना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अकसर यह साबित करते हैं कि देश में उनकी भूमिका एक अभिभावक की भाँति है। राजनीतिक नफा-नुकसान से इतर वे उन मुद्दों पर भी चिंतन करते हैं, जो समाज से जुड़े हुए हैं। वर्तमान समय में युवाओं के सामने नशा एक गंभीर चुनौती बन गया है। बड़ी पैमाने पर युवाओं को नशे का शिकार बनाया जा रहा है। अपनी युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पहलकदमी करते हुए 'नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की है। याद रखें कि एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत की नींव देश की स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मनिर्भर युवा पीढ़ी पर टिकी होती है। इस दिशा में इस अभियान की शुरुआत अत्यंत सामयिक और दूरदर्शी कदम है। अगले सौ सप्ताह तक चलने वाला यह राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि मादक द्रव्यों के सेवन जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ चेतना जगाने का एक महायज्ञ है। काशी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई इस पहल का अब करोड़ों देशवासियों और विभिन्न आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से देशव्यापी विस्तार होना यह दर्शाता है कि नशा-मुक्ति का यह प्रयास केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित न रहकर एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले रहा है। नशे की समस्या से निपटने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, और इस अभियान में यही संतुलन देखने को मिलता है। एक तरफ जहां सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों पर सख्त कानूनी कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी तरफ पीड़ित युवाओं के प्रति सहानुभूति और पुनर्वास की बात कही गई है। रिकॉर्ड मात्रा में ड्रग्स की जब्ती और गिरफ्तारियां यह स्पष्ट करती हैं कि नार्को-नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है। यदि कोई युवा गलती से नशे के भंवर में फंस जाता है, तो उसे अपराधी मानने के बजाय एक मरीज की तरह इलाज और सहयोग दिया जाना चाहिए। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परिवार और समाज की है। अक्सर देखा जाता है कि लोग सामाजिक प्रतिष्ठा और बदनामी के डर से अपने बच्चों की इस लत को छिपाने का प्रयास करते हैं, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। समय की मांग है कि परिवारों में बच्चों के साथ खुलकर संवाद करने की संस्कृति विकसित की जाए। जब तक माता-पिता अपने बच्चों के साथ ऐसा संवाद कायम नहीं करेंगे, तब तक समस्या की गहराई को समय रहते नहीं समझा जा सकता। नशे के शिकार युवाओं को छुपाने के बजाय मेडिकल मदद और काउंसलिंग के जरिए सामान्य जीवन में वापस लाना ही सच्ची संवेदनशीलता है। ड्रग्स की समस्या केवल स्वास्थ्य या समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हुई है। हमारे पड़ोसी और विरोधी देश भारत की अपार युवा शक्ति को कमजोर करने और देश को अस्थिर करने के लिए 'नारको-टेररिज्म' का सहारा लेते हैं। नशीले पदार्थों की आपूर्ति से होने वाली कमाई का इस्तेमाल देश-विरोधी और आतंकी गतिविधियों में किया जाता है। ऐसे में युवाओं को यह समझना होगा कि क्षणिक आनंद की यह लत न केवल उनके करियर, स्वास्थ्य और परिवार को बर्बाद करती है, बल्कि अनजाने में देश के दुश्मनों के एजेंडे को भी बढ़ावा देती है। सौ हफ्तों का यह संकल्प तभी पूरी तरह साकार हो सकेगा जब देश का प्रत्येक नागरिक, शैक्षणिक संस्थान और सामाजिक संगठन इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। शैक्षणिक संस्थानों में निरंतर जागरूकता, निचले स्तर तक सुलभ पुनर्वास सुविधाएं और परिवारों में विश्वास का माहौल इस अभियान को धरातल पर सफल बनाएगा।

राजनीतिक नफा-नुकसान से इतर वे उन मुद्दों पर भी चिंतन करते हैं, जो समाज से जुड़े हुए हैं। वर्तमान समय में युवाओं के सामने नशा एक गंभीर चुनौती बन गया है। बड़ी पैमाने पर युवाओं को नशे का शिकार बनाया जा रहा है। अपनी युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पहलकदमी करते हुए 'नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की है। याद रखें कि एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत की नींव देश की स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मनिर्भर युवा पीढ़ी पर टिकी होती है। इस दिशा में इस अभियान की शुरुआत अत्यंत सामयिक और दूरदर्शी कदम है। अगले सौ सप्ताह तक चलने वाला यह राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि मादक द्रव्यों के सेवन जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ चेतना जगाने का एक महायज्ञ है। काशी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई इस पहल का अब करोड़ों देशवासियों और विभिन्न आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से देशव्यापी विस्तार होना यह दर्शाता है कि नशा-मुक्ति का यह प्रयास केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित न रहकर एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले रहा है।

सावन सिर्फ बारिश का मौसम नहीं है, बल्कि जीवन के सभी रूपों का उत्सव है

हर किसी का अपना सावन है

भारत मानसून के आगमन के साथ मौसम में बदलाव का स्वागत करता है, और इससे भी कहीं अधिक। यह एक ऐसे मौसम की शुरुआत है जो फलों की भरपूर फसल, ताजगी और नए जीवन को जन्म देता है, साथ ही मानव हृदयों में नई आशा और सदियों से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करता है। महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा। कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है। कृषि आज भी इस देश में लाखों लोगों का प्रमुख रोजगार स्रोत है और बारिश का समय पर आना या न आना कई जगहों पर जीवन-मरण का सवाल होता है। हम सभी को इंतजार करना पड़ता है, और हर बादल उम्मीद लेकर आता है, हर बौछार राहत देती है, हर हरा-भरा खेत महीनों के धैर्य और मेहनत का फल होता है। समय पर बारिश होने से मिट्टी उपजाऊ होती है और किसान का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए। सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज़ एक संयोग नहीं है। सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम

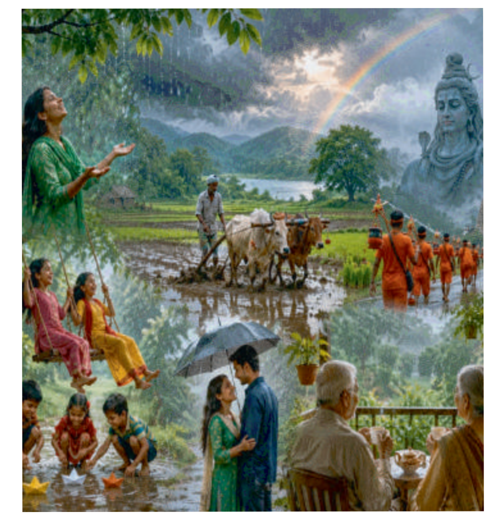

और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है। नवविवाहित बेटियों के लिए यह मौसम अक्सर बचपन के घर को यादों से भर देता है और उन रिश्तों को फिर से जीवंत करने का अवसर होता है जो भले ही टूट गए हों, लेकिन कभी खोए नहीं। यह सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है; ये लोक परंपराएं हैं और भारत के भावनात्मक और सामाजिक ताने-बाने की अभिव्यक्ति हैं। सावन का मौसम बच्चों की तरह आनंदित होता है। उन्हें कृषि उत्पादन या मौसम पूर्वानुमान की कोई चिंता नहीं होती। बारिश का मतलब है नंगे पैर नाचना, पानी के गड्ढों में कागज़ की नावें तैराना, इंद्रधनुष के पीछे खेलना और खुलकर हंसना। जब वे खुश होते हैं, तो ऐसा लगता है मानो बड़ों को एक सरल तथ्य याद आ रहा हो: कभी-कभी, खुशी छोटी-छोटी चीजों में ही होती है! लेकिन आजकल के बच्चे बाहर और निर्धारित गतिविधियों में बहुत कम समय बिताते हैं। कई बच्चों के लिए मानसून उस समय में आता है जब डिजिटल मनोरंजन बाहरी खेलों की जगह ले रहा होता है। प्रकृति के साथ इस घनिष्ठ संबंध को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जंगलों और नदियों के साथ। लेकिन वृद्ध लोगों के लिए सावन का अर्थ अलग होता है। जब बारिश के दिन आते हैं, तो उन्हें कई बातें याद आ जाती हैं: बचपन के खेल, बचपन की दोस्ती, पारिवारिक मिलन और सादगी भरे पल। यह सिर्फ खिड़की के पास बैठकर गर्म चाय की चुस्की लेते हुए बाहर बारिश की हल्की आवाज़ सुनने का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन भर के अनमोल पलों को याद करने का समय है। इस मायने में मानसून स्मृतियों का साथी होता है। यह ऋतु आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रावण सबसे पवित्र माह है जो भगवान शिव को समर्पित है और प्रत्येक वर्ष, भारत में बड़ी संख्या में लोग उनके मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। अनुशासन, त्याग और आस्था वे प्रमुख तत्व हैं जिनके माध्यम से तीर्थयात्री लंबी यात्राओं पर निकलते हैं और नदियों से पवित्र जल लाकर शिव मंदिरों में अर्पित करते हैं। ये सभी अनूठी भारतीय परंपराएं हैं जहां दुनिया और प्रकृति आपस में जुड़ी हुई हैं और आध्यात्मिक महत्व रखती हैं। नदियां, पहाड़, जंगल, वर्षा और भूमि केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए पवित्र स्थान रखते हैं। आज सावन पर्यावरण में असंतुलन का भी प्रतीक है। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा के पैटर्न पर गहरा प्रभाव डाला है। कुछ क्षेत्रों में सामान्य से सौ गुना अधिक वर्षा होती है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, वहीं कुछ क्षेत्रों में लंबे समय तक सूखा पड़ता है। शहरीकरण की गति तेज हो गई है और आर्द्रभूमि की जगह कंक्रीट का निर्माण हो गया है, जिससे प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था कमजोर हो गई है और शहरी बाढ़ की समस्या बढ़ गई है। हालांकि, पानी की अधिकता के साथ-साथ पानी की कमी भी हो रही है। यह मौसम, जो पहले प्रचुरता का प्रतीक हुआ करता था, अब हमें पारिस्थितिक नाजुकता के प्रति अधिकाधिक जागरूक बना रहा है। इसलिए सावन उत्सव का विषय है और इसके प्रति जिम्मेदारी की भावना भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण अब वैकल्पिक नीतियां नहीं रह गई हैं, न ही वृक्षारोपण, आर्द्रभूमि संरक्षण और सतत शहरी नियोजन। कोई भी आकाश से गिरने वाली पानी की उस अनमोल बूंद को बर्बाद नहीं करना चाहेगा। आज, चिकित्साकरण, प्रतिस्पर्धा और अलगाव से भरी इस दुनिया में, जहाँ हर किसी का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, मानसून लयबद्ध रूप से 'रुक जाओ!' का आह्वान करता है। यह प्रतीक्षा, प्रचुरता, नवीनीकरण और आशा का पाठ है। यह इस बात की गारंटी है कि कोई भी खराब फसल हमेशा के लिए नहीं रहेगी। सूखी भूमि एक बार फिर सुंदर पौधों से भर जाएगी, और थके हुए दिलों को भी नई खुशी मिलेगी। मानसून वास्तव में अपने आप में एक अनोखी जलवायु घटना है। यह जीवन का एक तरीका है। यह एक ऐसी सीख है जो कहती है कि हर अंत के पीछे एक शुरुआत होती है; हर सूखा खत्म होता है, हर खामोशी एक गीत होती है। आज और आगे भी जब तक बारिश होती रहेगी, आइए हम इसे जीवनदायी उपहार के रूप में स्वीकार करें और उन मूल्यों को भी अपनाएं जो यह हमें सिखाती है। आइए हम जल बचाएं, प्रकृति बचाएं, रिश्तों को मजबूत करें, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करें और खुले दिल से नवीनीकरण का स्वागत करें।

महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा। कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है।

देश | दुनिया से

भारत में कम्युनिस्ट, नक्सलवाद और ईसाई मिशनरीज

भारत में नक्सलवाद को कम्युनिस्ट आंदोलन की देन माना जा सकता है। वास्तव में कम्युनिस्ट अब एक आंदोलन नहीं रह गया है। यह अब एक मृत विचारधारा बन चुका है और विश्वशांति के समर्थक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अब 'कम्युनिज्म' में कोई आकर्षण नही रहा है। इसका कारण है कि साम्यवादी विचारधारा अपने आप में एक रक्तिम विचारधारा है। इसका अभी तक का सारा इतिहास रक्तिम रहा है। उदाहरण के रूप में रूस में साम्यवादी क्रांति (1917) होते ही 1921 में अकाल पड़ा तो उसमें लगभग पौने तीन करोड़ लोग प्रभावित हुए थे उसमें सरकारी प्रबंधन से कुपित होकर 16000 नाविकों ने विद्रोह कर दिया था। जिसे रूस के तत्कालीन तानाशाह राष्ट्रपति लेनिन ने अपने 60000 सैनिकों की तैनाती कर निर्ममता से कुचलवा दिया था और 16000 नाविकों को स्वर्ग लोक पहुंचा दिया था। इसके पश्चात रूस में जब स्टालिन का शासन आया तो वहां दो करोड़ से अधिक लोगों की हत्याएं कर दी गयीं थीं। उनका अपराध केवल यह था कि वे साम्यवादी विचारधारा की क्रूरता के सामने बोलने का साहस कर रहे थे। 1951 में हंगरी में सोवियत संघ ने अपनी क्रूरता का प्रदर्शन किया, जिसमें 25000 हंगरी नागरिकों को मार दिया गया था। 1968 की अगस्त में छह लाख रूसी और अन्य वर्सार्व सैनिकों ने लोकतांत्रिकीकरण के 'डब चेक' प्रयास को रौंदने के लिए चेकोस्लोवाकिया में टैंकों के साथ आक्रमण किया। सन 1981 में चीन ने लोकतंत्र की मांग कर रहे अपने छात्रों की मांग को निर्दयतापूर्वक कुचल कर बड़ी संख्या में छात्रों को मौत के घाट उतार दिया था। पश्चिम बंगाल में सन 1977 से लेकर 2001 के मध्य साम्यवादियों के शासनकाल में लगभग 44000 हत्याएं की गयीं। इस का अभिप्राय था कि 1735 व्यक्ति प्रतिवर्ष मारे गये अर्थात विचारधारा के नाम पर बंगाल में चार व्यक्ति प्रतिदिन मारे जाते रहे। तब किसी भी 'अखलाक' की मृत्यु पर कम्युनिस्टों ने एक दिन भी छाती नही पीटी थी। पश्चिम बंगाल में 1992 से 1996 के मध्य बलात्कार की

संख्या 3712 प्रति वर्ष थी। जो कि 1997 से 2001 के बीच बढक़र 4847 हो गयी। किसी भी 'निर्भया' को देखकर साम्यवादियों का हृदय नही पसीजा और ना उन्होंने एक दिन भी यह कहा कि बलात्कार की पीड़िता हर महिला भारत की बेटी है। उन्हें बलात्कार की पीड़िता हर नारी उस समय 'गर्म गोश्त' ही दिखायी देती रही। मजदूरों की सबसे अधिक चिंता करने वाले कम्युनिस्टों के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में 1980-1990 के मध्य औद्योगिक आतंकवाद के चलते फेक्ट्रीयों में आत्महत्या की 63 घटनाएं हुईं। जबकि 1991 से 2001 के दशक में यह संख्या 85 हो गयी। कुछ कालोपरांत 2003 में पश्चिम बंगाल में 19 लाख श्रमिकों वाली 53000 औद्योगिक इकाइयां बंद हो गयीं। अब साम्यवादियों की 'सहिष्णुता' देखिये। केरल में 1961 से 2002 के मध्य आरएसएस के 150 से अधिक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गयी। 1994 से अक्टूबर 2000 तक कम्युनिस्ट आतंकियों ने झारखण्ड में 1042 लोगों की हत्या कीं। ये कट्टरवादी नरसंहार की 3500 घटनाओं के उत्तरदायी हैं। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि साम्यवादी विचारधारा अपने आप में एक अलोकतांत्रिक विचारधारा है जो अपने मूल स्वभाव में पूर्णतः असहिष्णु है। जहां तक भारत की बात है तो इस देश में रहकर भी साम्यवादी इसके विरोधी हैं। वर्तमान में भारत के इतिहास का विकृतीकरण कर भारत की हानि करने में कम्युनिस्टों ने जितना अपना सहयोग दिया है उतना किसी अन्य ने नहीं दिया है। इनके ऐसे काले कारनामों को देखकर ही लोगों ने साम्यवादियों से मुंह फेर लिया है। अब यह सत्ता से दूर कर दिये गये हैं और ये अपने किये का दण्ड भोग रहे हैं। अब भारत में नक्सलवाद के नाम पर कम्युनिस्ट एक नया आतंकवाद खड़ा कर रहे हैं। नक्सलवादी उन आंचलों में सक्रिय होते हैं जहां सबसे अधिक निर्धन लोग रहते हैं। निर्धन लोगों के भीतर सरकार के विरूद्घ पनप रहे क्षोभ और आक्रोश को ये लोग भुनाते हैं और निर्दोष लोगों को अपने चंगुल में फंसाकर उन्हें निर्दोषों का रक्त बहाने के लिए प्रेरित करते हैं। यद्यपि सैद्घांतिक दृष्टि से वहां माओवाद नहीं होता, परंतु इनका एक ही उद्देश्य होता है कि जो सत्ताधीश अर्थात शासन और जनता के बीच के लोग तुम्हें दुखी कर रहे हैं उन्हें मारते चलो। तुम्हें रोटी की समस्या है तो वह तुम्हें हम दिलाएंगे। इस प्रकार अराजकता का सहारा लेकर लोगों को उसके लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्रोत्साहन का उद्देश्य देश में सर्वत्र हिंसा फैलाना और कटुता का वातावरण उत्पन्न करना है। जिससे देश के विकास कार्य प्रभावित हों और देश में सर्वत्र घृणा की आग फैल जाए। कांग्रेसियों के साथ सत्य, अहिंसा और प्रेम की बात कहने वाले गांधीजी को कम्युनिस्ट बड़ी श्रद्घा से देखने का नाटक करते हैं। परंतु गांधीजी की अहिंसा के विपरीत समाज में सर्वत्र हिंसा और घृणा का परिवेश स्थापित करते हैं। सरकार को चाहिए कि नक्सलवादी हिंसा में लगे युवाओं की आर्थिक समस्याओं का समाधान दें और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलवादियों की पीठ थपथपा रहे कम्युनिस्टों के सूत्रों को काटने के लिए उन्हें स्कूली पाठ्यक्रम के माध्यम से देशभक्ति का पाठ पढ़ाया जाए।

कुछ | अलग

संत को दुखी व्यक्ति को सीख

एक लोक कथा है, बहुत समय पहले एक गांव में एक व्यक्ति मेहनत और ईमानदारी से गरीबी दूर करना चाहता था। उसने कई छोटे-बड़े काम शुरू किए, लेकिन हर बार उसे असफलता ही मिली। धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास खत्म होने लगा। उसे लगने लगा कि किस्मत उसका साथ नहीं दे रही। अंततः उसने कोशिश करना ही छोड़ दिया और निराशा में डूब गया। उसी समय गांव में एक संत आए। लोगों ने बताया कि वे जीवन की कठिन समस्याओं का सरल समाधान बताते हैं। गरीब व्यक्ति भी उनसे मिलने पहुंचा और अपनी सारी परेशानियां सुनाईं। उसने कहा, ₹मैंने बहुत कोशिश की, लेकिन हर बार हार मिली। अब मुझमें आगे बढ़ने की ताकत नहीं बची।₹ संत मुस्कुराए और बोले, ₹मैं तुम्हें एक बच्चे की कहानी सुनाता हूं।₹ उन्होंने बताया कि एक छोटे बच्चे ने अपने घर के आंगन में बांस और कैक्टस के पौधे लगाए। वह रोज दोनों पौधों को समान मात्रा में पानी देता, खाद डालता और उनकी देखभाल करता। कुछ समय बाद कैक्टस तेजी से बढ़ने लगा, लेकिन बांस के बढ़ने का कोई निशान दिखाई नहीं देता था। बच्चा कभी-कभी उदास हो जाता, लेकिन उसने देखभाल करना बंद नहीं किया। काफी दिन बीत गए। एक दिन अचानक मिट्टी से बांस का छोटा-सा अंकुर बाहर आया। फिर देखते ही देखते कुछ ही दिनों में बांस का पौधा तेजी से बढ़ने लगा और थोड़े समय में कैक्टस से भी कहीं अधिक ऊंचा हो गया। संत ने कहा, ₹बांस इतने दिनों तक दिखाई नहीं दे रहा था, क्योंकि वह जमीन के भीतर अपनी जड़ों को मजबूत कर रहा था। मजबूत जड़ों के कारण ही वह बाद में इतनी तेज गति से बढ़ सका।₹ संत की बात सुनकर गरीब व्यक्ति की आंखें खुल गईं।

आप का | नज़रिया

अब ई20 पर भड़काने की तैयारी

नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन की गर्मी अभी शांत भी नहीं हुई है कि आंदोलनजीवियों ने जनता को भ्रमित करने एवं भड़काने के लिए दूसरा विषय खोजना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ महीनों से एथनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर एक नकारात्मक नैरेटिव खड़ा करने का प्रयास किया गया है। परिणामस्वरूप, एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की नीति को लेकर उठ रही आपत्तियों और राजनीतिक बयानों ने एक बार फिर ऊर्जा संक्रमण की इस प्रक्रिया को व्यापक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। एक तरफ जहां सरकार इसे पर्यावरण संरक्षण, विदेशी मुद्रा की बचत और किसानों की आय बढ़ाने वाले दूरगामी कदम के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों, ट्रांसपोर्ट यूनियनों और आम वाहन चालकों के विरोध प्रदर्शनों ने नीति के व्यावहारिक क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ई20 को लेकर जनता के बीच बने भ्रम के वातावरण एवं आक्रोश का लाभ उठाने की दृष्टि से कॉकरोच आंदोलन से निवृत्त हुए आंदोलनजीवियों ने अब ई20 पेट्रोल को लेकर मोर्चाबंदी की तैयारी शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर भी आंदोलन आग पकड़ सकता है क्योंकि वर्तमान में इस पूरे विवाद को लेकर आम जनता के भीतर एक अजीब तरह के संशय और असुरक्षा की भावना पनप रही है। वाहन मालिकों, विशेषकर अप्रैल 2023 से पहले निर्मित पुरानी गाड़ियों का उपयोग करने वाले लोगों के बीच यह डर घर कर गया है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन उनकी गाड़ियों के इंजन को नुकसान पहुंचा सकता है। माइलेज में कमी, इंजन पार्ट्स में क्षरण और बार-बार मरम्मत की जरूरत जैसी शिकायतों ने लोगों के मन में इस नीति के प्रति एक नकारात्मक धारणा बना दी है। चूंकि देश में एक बड़ा वर्ग अपनी गाड़ियां सालों-साल चलाता है, इसलिए उनके लिए यह मुद्दा सीधे तौर पर वित्तीय बोझ से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, पेट्रोल पंपों पर पुरानी गाड़ियों के लिए सामान्य (बिना मिश्रित या कम मिश्रित) ईंधन का स्पष्ट विकल्प उपलब्ध न होना जन-असंतोष को और हवा दे रहा है। लोगों को लग रहा है कि तकनीकी स्पष्टता और पूर्व तैयारी के बिना यह बदलाव उन पर जबरन थोपा गया है। सरकार के लिए यह स्थिति बेहद नाजुक है, क्योंकि यदि जनता का भरोसा ही डिग जाएगा तो इतना बड़ा सुधार अपनी साख खो देगा। ऐसे में सरकार को समय रहते और बिना किसी देरी के बहुस्तरीय तैयारियां करनी होंगी। सबसे पहले, सरकार को पारदर्शिता और जन-जागरूकता का रास्ता अपनाना चाहिए। केवल आंकड़ों के आधार पर नीति को सही ठहराने के बजाय, एक निष्पक्ष तकनीकी रिपोर्ट जनता के सामने रखी जाए, जो पुरानी और नई गाड़ियों पर ई20 के प्रभाव को लेकर स्थिति पूरी तरह साफ करे। इसके अलावा, सरकार को ईंधन विकल्पों के मामले में लचीला रुख अपनाना होगा। जब तक देश का बड़ा वाहन बेड़ा ई20 के लिए पूरी तरह अनुकूल नहीं हो जाता, तब तक उपभोक्ताओं को पुरानी गाड़ियों के लिए वैकल्पिक या कम-एथनॉल युक्त ईंधन चुनने का अधिकार मिलना आवश्यक है। ऑटोमोबाइल निर्माताओं के साथ मिलकर पुरानी गाड़ियों को इस ईंधन के अनुकूल बनाने वाली किट उपलब्ध कराने या सुरक्षा उपायों को तय करने पर भी काम किया जाना चाहिए। नीतिगत बदलाव तभी टिकाऊ और सफल हो सकते हैं जब वे जन-विश्वास के धरातल पर टिके हों, अन्यथा प्रशासनिक जिद से उपजा आक्रोश किसी भी बेहतर उद्देश्य को पटरी से उतार सकता है।

विदेशी मुद्रा की बचत और किसानों की आय बढ़ाने वाले दूरगामी कदम के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों, ट्रांसपोर्ट यूनियनों और आम वाहन चालकों के विरोध प्रदर्शनों ने नीति के व्यावहारिक क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ई20 को लेकर जनता के बीच बने भ्रम के वातावरण एवं आक्रोश का लाभ उठाने की दृष्टि से कॉकरोच आंदोलन से निवृत्त हुए आंदोलनजीवियों ने अब ई20 पेट्रोल को लेकर मोर्चाबंदी की तैयारी शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर भी आंदोलन आग पकड़ सकता है क्योंकि वर्तमान में इस पूरे विवाद को लेकर आम जनता के भीतर एक अजीब तरह के संशय और असुरक्षा की भावना पनप रही है। वाहन मालिकों, विशेषकर अप्रैल 2023 से पहले निर्मित पुरानी गाड़ियों का उपयोग करने वाले लोगों के बीच यह डर घर कर गया है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन उनकी गाड़ियों के इंजन को नुकसान पहुंचा सकता है। माइलेज में कमी, इंजन पार्ट्स में क्षरण और बार-बार मरम्मत की जरूरत जैसी शिकायतों ने लोगों के मन में इस नीति के प्रति एक नकारात्मक धारणा बना दी है। चूंकि देश में एक बड़ा वर्ग अपनी गाड़ियां सालों-साल चलाता है, इसलिए उनके लिए यह मुद्दा सीधे तौर पर वित्तीय बोझ से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, पेट्रोल पंपों पर पुरानी गाड़ियों के लिए सामान्य (बिना मिश्रित या कम मिश्रित) ईंधन का स्पष्ट विकल्प उपलब्ध न होना जन-असंतोष को और हवा दे रहा है। लोगों को लग रहा है कि तकनीकी स्पष्टता और पूर्व तैयारी के बिना यह बदलाव उन पर जबरन थोपा गया है।

दृष्टि | कोण

भीड़ नियंत्रण की संवैधानिक कसौटी

लोकतंत्र की शक्ति उसकी राज्यसत्ता में नहीं बल्कि असहमति को स्वीकार करने की क्षमता में निहित होती है। चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को वैधता अवश्य देते हैं, किंतु उसकी वास्तविक परिपक्वता इस बात से मापी जाती है कि वह विरोध, प्रतिरोध और नागरिक असहमति के साथ कैसा व्यवहार करता है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में धरना, प्रदर्शन, रैली और जनसभा केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते; वे नागरिकों और राज्य के बीच संवाद के संवैधानिक माध्यम हैं। इसलिए जब किसी प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए राज्य बल प्रयोग करता है, तब प्रश्न केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता बल्कि नागरिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार और संविधान की आत्मा से जुड़ जाता है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित "चलो संसद" प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के कथित उपयोग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका ने इसी मूल प्रश्न को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी और खुफिया ब्यूरो के पूर्व विशेष निदेशक यशोवर्धन आजाद सहित याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों पर बिना पर्याप्त चेतावनी ऐसे प्रक्षेपास्त्रों का प्रयोग किया गया जिससे अनेक लोग घायल हुए। याचिका में नागरिक प्रदर्शनों के दौरान धातुयुक्त पैलेट के प्रयोग पर रोक, घायलों के उपचार, पुनर्वास और मुआवजे की मांग की गई है। दूसरी ओर, रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ.) ने इन आरोपों का सार्वजनिक रूप से खंडन करते हुए कहा है कि भीड़ नियंत्रण के लिए केवल स्वीकृत गैर-घातक साधनों का उपयोग किया गया। इन परस्पर विरोधी दावों के बीच सर्वोच्च न्यायालय ने न तो किसी पक्ष को दोषी ठहराया है और न ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की जल्दबाजी दिखाई है। न्यायालय ने केवल केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है तथा उपलब्ध अभिलेखों और प्रयुक्त सामग्री को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। यही संवैधानिक

न्यायशास्त्र की पहचान है—निर्णय आरोपों या जनभावना से नहीं, बल्कि साक्ष्य और विधि के आधार पर दिए जाते हैं। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि सर्वोच्च न्यायालय वस्तुतः केवल एक उपकरण की वैधता पर विचार नहीं कर रहा बल्कि उस व्यापक संवैधानिक प्रश्न पर भी विचार कर रहा है कि लोकतांत्रिक राज्य अपने नागरिकों के साथ बल प्रयोग की सीमा कहाँ तक निर्धारित कर सकता है। यह प्रश्न नया नहीं है। भारतीय संविधान की रचना के समय से ही यह स्वीकार किया गया था कि राज्य को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने का अधिकार होगा किंतु यह अधिकार निरंकुश नहीं होगा संविधान ने शक्ति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन को लोकतांत्रिक शासन का मूल सिद्धांत बनाया है। अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) शांतिपूर्वक और निःशस्त्र सभा करने का अधिकार सुनिश्चित करता है। इन अधिकारों पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, परंतु वे प्रतिबंध राज्य की सुविधा से नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं से संचालित होते हैं। इसका अर्थ यह है कि राज्य कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं को अनावश्यक रूप से सीमित नहीं कर सकता। लोकतंत्र में व्यवस्था की रक्षा और स्वतंत्रता की सुरक्षा—दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। यही कारण है कि आधुनिक लोकतंत्रों में भीड़ नियंत्रण का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत 'न्यूनतम आवश्यक बल' माना जाता है।

फिंच ने सर्वकालिक एकदिवसीय टीम में सचिन से पहले विराट को रखा

सिडनी

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने अपनी पसंदीदा खिलाड़ियों की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय टीम बनायी है। हैरानी की बात ये है कि फिंच ने अपनी इस टीम में शीर्ष -8 बल्लेबाजों की जो रैंकिंग जारी की है उससे क्रिकेट जगत में विवाद उठ गया है। फिंच ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को दूसरे स्थान पर रखा है जबकि विराट कोहली को पहले पायदान पर रखा है। वहीं भारत के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को फिंच की इस प्रतिष्ठित सूची में शीर्ष-3 में भी जगह नहीं मिल पाई, जिससे कई क्रिकेट प्रशंसकों में नाराजगी है।

गौरतलब है कि एकदिवसीय प्रारुप में जब भी सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की बात होती है, तो तेंदुलकर और विराट के बीच तुलना होना लाजमी है पर फिंच ने आंकड़ों और आधुनिक क्रिकेट में प्रभाव के विश्लेषण के आधार पर एक अलग निष्कर्ष निकाला। फिंच के अनुसार, आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों, दबाव और मैच जिताने की निरंतर क्षमता को देखते हुए विराट इतिहास के सबसे महान वनडे बल्लेबाज हैं।

कोहली जिस दबाव में खेलते हुए निरंतर मैच जिताऊ पारियां खेलते हैं, वह उन्हें सचिन से आगे खड़ा करती है। वहीं अगर आंकड़ों के दृष्टिकोण से इस तुलना को देखें, तो तेंदुलकर ने अपने करियर में 463 एकदिवसीय मैचों की 452 पारियों में 18,426 रन बनाए हैं, जिसमें 49 शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं जबकि विराट कोहली ने अब तक खेले गए अपने 314 एकदिवसीय मुकाबलों की 302 पारियों में ही 14,941 रन बना लिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कम मैच खेलने के बावजूद विराट ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 54 शतक और 79 अर्धशतक जड़े हैं। सचिन के मुकाबले काफी कम मैच खेलकर शतकों के मामले में उनसे आगे निकल जाना ही विराट की उस क्षमता को दर्शाता है, जिसने एरोन फिंच जैसे दिग्गज को कोहली को सचिन से ऊपर नंबर एक पायदान पर रखने पर मजबूर किया। फिंच ने स्वीकार किया कि सचिन का युग और उनके द्वारा बनाए गए रनों को कभी भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन मौजूदा युग के समीकरणों में विराट का प्रभाव थोड़ा भारी पड़ता है।

इस सूची में तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के मिस्टर 360 डिग्री बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को जगह मिली है, जिनकी मैदान के चारों तरफ शाट खेलने की क्षमता ने एकदिवसयी क्रिकेट की परिभाषा ही बदल दी थी। वहीं, आस्ट्रेलिया को दो बार अपनी कप्तानी में विश्व कप जिताने वाले रिकी पोंटिंग को फिंच ने चौथे स्थान पर रखा है।

क्रिकेट इतिहास के सबसे खौफनाक और आक्रामक बल्लेबाजों में से एक, वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स को फिंच की इस रैंकिंग में छठा स्थान मिला, जिसके पीछे फिंच ने एक मजबूरी बताई। दरअसल, उन्हें दिए गए विकल्पों में रिचर्ड्स का नाम सबसे अंत में आया था और सूची के स्लाट पहले ही भर चुके थे, जिसके चलते उन्हें मजबूरी में छठे स्थान पर समायोजित करना पड़ा। सूची के अंतिम दो पायदानों पर श्रीलंका के आक्रामक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या और आस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का कब्जा रहा। जयसूर्या को 7वें और गिलक्रिस्ट को 8वें स्थान पर रखा गया।

न्यूज ब्रीफ

तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रचा

ताइपे (ताइवान)। भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किया। महज 36 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अनुभवी वियतनामी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। पिछले साल यूएस ओपन सुपर-300 में उपविजेता रहीं तन्वी ने इस बार खिताब जीतकर साबित कर दिया कि वह भारतीय बैडमिंटन की अगली बड़ी स्टार बनने की राह पर हैं। उनके खेल में लगातार आक्रामकता और निरंतरता साफ दिखाई दी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बाएआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स' पर तन्वी की उपलब्धि की सराहना करते हुए लिखा, 17 साल की उम्र... रिकार्ड तोड़ने वाली... चैंपियन! तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन 2026 जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे युवा चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। साथ ही वह सुपर-300+ खिताब जीतने वाली भारत की चौथी महिला एकल खिलाड़ी भी बन गई हैं। तन्वी ने फाइनल में पहुंचने से पहले सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया था। तन्वी शर्मा की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और आने वाले वर्षों में उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

भगवान बालाजी की शरण में पहुंचे हार्दिक पंड्या, पूजा के साथ ही मुंडन भी कराया

तिरुपति। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी आलराउंडर हार्दिक पंड्या तिरुपति बालाजी की शरण में पहुंचे हैं। पंड्या भक्ति भ्राव से तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करते दिखे। इस दौरान उनके बदले हुए स्वरूप ने सभी को हैरान कर दिया। हार्दिक ने भगवान वेंकटेश्वर के दरबार में मुंडन भी कराया। इस दैरान वह सफेद कमीज, लुंगी और गले में गमछे में दिखे। उन्होंने भगवान बालाजी की पूजा अर्चना कर आर्शीवाद भी प्राप्त किया। उनके इस नए लुक को देखकर कई प्रशंसक भी हैरान हो गये। मंदिर में प्रवेश के लिए हार्दिक ने पारंपरिक अंगवस्त्रम धारण किया, जिसमें सफेद कमीज के साथ सफेद लुंगी और गले में गमछा शामिल था। दक्षिण भारतीय परंपरा में यह पहनावा पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान उनकी महिला मित्र महिका शर्मा भी मौजूद थीं। हार्दिक ने मंदिर के तय प्रोटोकाल के तहत भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। दर्शनोपरांत, मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद प्रदान किया और पवित्र तीर्थ प्रसाद भेंट किया। दरअसल, तिरुमाला मंदिर में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और मन्नत पूरी होने पर केशदान करते हैं, और हार्दिक ने भी इसी परंपरा के तहत अपना मुंडन कराया।

दिलीप ट्राफी मुकाबलों में लाल गेंद से होगी वैभव की असली परीक्षा

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबज वैभव सूर्यवंशी की असली परीक्षा अब दिलीप ट्राफी मुकाबलों में लाल गेंद से खेलते समय होगी। सीमित ओवरों के प्रारूप में वैभव ने जमकर रन बनाये हैं पर लाल गेंद से रन बनना आसान नहीं होता। आगामी दलीप ट्राफी उनके लिए केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मंच साबित होगा। चयनकर्ताओं ने उन पर बड़ा भरोसा जताते हुए उन्हें टीम का उपकप्तान नियुक्त किया है, जो उनके लिए अतिरिक्त दबाव के साथ ही प्रेरणास्पद भी होगा। जहां एक ओर वैभव अपनी आक्राममक बल्लेबाजी से सफेद गेंद क्रिकेट में छाये रहते हैं। वहीं वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनकी राह उतनी आसान नहीं रही है। पिछले आईपीएल सत्र में उन्होंने राजस्थान रायल्स की ओर से खेलते हुए 16 मैचों में 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे और आरेंज कैप जीती थी। इसके अलावा, वह टीम इंडिया के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी खेल चुके हैं और लिस्ट-ए मैचों में 43.88 की औसत से 564 रन बनाए हैं। लेकिन रणजी ट्राफी के आंकड़े एक विपरीत रहे हैं। वैभव ने जनवरी 2024 में मुंबई के खिलाफ महज 12 साल की उम्र में अपना रणजी डेब्यू कर इतिहास रचा था। 8 फर्स्ट क्लास मैचों में उनका औसत केवल 17.25 रहा है, जिसमें वे 207 रन ही बना सके हैं। इस प्रारूप में उनका सबसे अधिक स्कोर 93 रन है और वे अभी तक एक भी शतक नहीं लगा पाए हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का शानदार अभियान समाप्त

13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा भारत

नई दिल्ली । ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 का शानदार समापन हो गया। भारतीय खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया। भारत ने इस बार 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदकों सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया।

भारतीय दल का यह अभियान विशेष रूप से मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, जूडो और पैरा खेलों में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के कारण यादगार बन गया।

ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर, भारत चौथे स्थान पर

पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने सर्वाधिक 70 स्वर्ण, 45 रजत और 56 कांस्य सहित कुल 171 पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। इंग्लैंड 29 स्वर्ण सहित कुल 110 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कनाडा 19 स्वर्ण और कुल 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भारत ने 13 स्वर्ण और कुल 39 पदकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। मेजबान स्कॉटलैंड ने भी 13 स्वर्ण और कुल 39 पदक जीते, लेकिन भारत के 17 रजत पदक, स्कॉटलैंड के रजत पदकों से अधिक होने के कारण भारतीय टीम पदक तालिका में उससे आगे रही।

मुक्केबाजों ने रचा इतिहास

इस बार भारत की सबसे बड़ी सफलता मुक्केबाजी में देखने को मिली। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। बॉक्सिंग भारतीय दल के लिए सबसे सफल खेल साबित हुआ।

एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग और जूडो में भी चमके भारतीय खिलाड़ी

एथलेटिक्स, जिसमें पैरा एथलेटिक्स भी शामिल है, में भारतीय खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 7 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 16 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

इसके अलावा वेटलिफ्टिंग और जूडो में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए देश की पदक संख्या बढ़ाई। वहीं पैरा पावरलिफ्टिंग में भी भारत ने एक कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान को और मजबूत बनाया।

यादगार रहा भारतीय दल का प्रदर्शन

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने कई खेलों में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलित प्रदर्शन ने यह साबित किया कि भारत अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	ऑस्ट्रेलिया	65	41	52	158
2	इंग्लैंड	26	41	35	102
3	कनाडा	18	20	21	59
4	भारत	13	17	9	39
5	स्कॉटलैंड	13	8	17	38
6	नाइजीरिया	10	7	7	24
7	जमैका	10	3	5	18
8	न्यूजीलैंड	8	11	9	28
9	वेल्स	8	10	12	30
10	मलेशिया	8	3	3	14

देश के लिए लड़ते हुए गंवाया एक पैर, अब कामनवेल्थ में जीता स्वर्ण; सोमन राणा बोले- आसान नहीं थी राह

ग्लास्गो

कामनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पैरा एथलीट सोमन राणा की सफलता संघर्ष, साहस और जज्बे की मिसाल है। पुरुष एफ57 शाटपुट स्पर्धा में 13.40 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण जीतने वाले सोमन ने बताया कि भारतीय सेना में ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपना दाहिना पैर गंवा दिया था। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और देश के लिए कामनवेल्थ गेम्स का स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया।

एक पैर गंवाने के बाद सब कुछ बदल गया

2022 एशियाई पैरा खेलों के रजत पदक विजेता सोमन ने कहा कि उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने बताया, मैं भारतीय सेना में हूं। 2006 में ड्यूटी के दौरान मेरा दाहिना पैर चला गया। उसके बाद भी मैं सेवा करता रहा, लेकिन जब पैरालंपिक खेलों के बारे में पता चला तो 2017 से इसकी तैयारी शुरू कर दी।

उन्होंने आगे कहा, एक पैर गंवाने के बाद बहुत मुश्किलें आईं। आम इंसान छोटी चोट के बाद भी चलने में परेशानी महसूस करता है, जबकि मुझे कृत्रिम पैर के साथ चलना सीखना था और फिर उसी के साथ खेलों में उतरना था। धीरे-धीरे हर चुनौती को पार करते हुए मैं यहां तक पहुंचा।

दूसरे पैरा खिलाड़ियों से मिली प्रेरणा

सोमन ने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्हें लगता था कि कृत्रिम पैर के सहारे खेलना संभव नहीं होगा। लेकिन दूसरे पैरा एथलीटों को देखकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने कहा, शुरुआत में समझ नहीं आता था कि कृत्रिम पैर के साथ कैसे चलूंगा और कैसे खेलूंगा। फिर मैंने ऐसे पैरा एथलीटों को देखा, जिनका पूरा पैर ही नहीं था। तब मुझे लगा कि अगर वे इतना कर सकते हैं तो मैं भी कर सकता हूं। वहीं से मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

परिवार, सेना और साई को दिया सफलता का श्रेय

सोमन ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय परिवार, भारतीय सेना, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और पैरालंपिक कमेटी आफ इंडिया (पीसीआई) को दिया। उन्होंने कहा, परिवार, सेना, साई और पीसीआई ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। उनके सहयोग की वजह से ही मैं इस मुकाम तक पहुंच पाया और देश के लिए स्वर्ण पदक जीत सका। मैं अपना यह मेडल उन सभी लोगों को समर्पित करता हूं, जिन्होंने मुश्किल समय में मेरा हौसला बढ़ाया।

सोमन राणा की यह कहानी बताती है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। देश की सेवा करते हुए एक पैर गंवाने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और अब कामनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा बन गए।

अजारेई की हैट्रिक से नार्थईस्ट यूनाइटेड की धमाकेदार शुरुआत, बोडोलैंड एफसी को 6-0 से रौंदा

गुवाहाटी । गत चैंपियन नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने 135वें डूरंड कप में खिताब बचाने के अभियान का शानदार आगाज किया। इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में ग्रुप एफ के मुकाबले में नार्थईस्ट यूनाइटेड ने बोडोलैंड एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त दी। वापसी कर रहे अलाउद्दीन अजारेई ने शानदार हैट्रिक लगाकर टीम की बड़ी जीत की नींव रखी। मैच से पहले हुआ भव्य उद्घाटन समारोह इससे पहले भव्य उद्घाटन समारोह में असम की सांस्कृतिक विरासत, भारतीय सशस्त्र बलों की सैन्य परंपराओं और एशिया के सबसे पुराने फुटबाल टूर्नामेंट की विरासत का शानदार संगम देखने को मिला। उद्घाटन समारोह में असम के खेल मंत्री बिस्वजीत दैमारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वित्त, पर्यावरण एवं वन मंत्री जयंत मल्लबरुआह, पूर्वी कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल वीएमबी कृष्णन, चतुर्थ कोर के जनरल आफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नीरज शुक्ला समेत सेना और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत हाट एयर बैलून, जैज बैंड और सेना के ब्रास व पाइप बैंड की संयुक्त प्रस्तुति से हुई। इसके बाद कुत्तों के प्रदर्शन, सैन्य बैंड और एनसीसी की छात्राओं के बैंड ने दर्शकों का मनोरंजन किया।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क

अमेरिका में इस माह के अंत में शुरु होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इमसें सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएगी।

जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयार्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे मजबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टार-स्टडेड लाइनअप में साफ दिख रहा है।

इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नार्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और केई निशिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना, तथा रूस की मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रेई रुबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

विश्व फुटबाल में घमासान जारी फीफा और यूईएफए आमने-सामने आये

लंदन

विश्व फुटबाल में विवाद गहरा गया है। वैश्विक संस्था फीफा और यूरोपीय फुटबाल महासंघ (यूईएफए) आमने-सामने आ गये हैं। उसके सदस्य देशों ने कड़ा रुख अपना लिया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि यूईएफए अपने 55 सदस्य फुटबाल संघों की आपात बैठक बुलाने की तैयारी में है, जिसमें भविष्य के विश्व कप के संभावित बहिष्कार जैसे गंभीर विकल्पों पर चर्चा हो सकती है। इस विवाद का कारण फीफा की वह योजना है जिसके तहत वह अपनी एक नई इकाई फीफा फारवर्ड एंटरप्राइज में अल्पांश हिस्सेदारी बाहरी निवेशकों को बेचने की योजना बना रहा है। इस इकाई के पास पुरुष और महिला विश्व कप सहित फीफा की सभी प्रमुख प्रतियोगिताओं के व्यावसायिक और आयोजन संबंधी अधिकार होंगे। रिपोर्टों के अनुसार, फीफा इस पहल से लगभग 4.2 अरब डालर जुटाना चाहता है, जबकि इस इकाई का प्रारंभिक मूल्यांकन 20 अरब डालर आंका गया है। इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए फीफा ने वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी जे. पी. मार्गन की सेवाएं ली हैं, और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर के भाई जोशुआ कुशनर की निवेश कंपनी थ्राइव इटरनल का नाम संभावित निवेशकों में सामने आया है।

वहीं यूईएफए ने फीफा के इस प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है फुटबाल की शीर्ष संस्थाओं को कभी इस प्रकार का काम नहीं करना चाहिए। यूईएफए का स्पष्ट मत है कि फुटबाल की आत्मा, उसका संचालन और उसकी पारदर्शिता किसी व्यावसायिक सौदे का हिस्सा नहीं बन सकती। संगठन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि फुटबाल किसी एक संस्था की निजी संपत्ति नहीं है और इसे बेचा नहीं जा सकता।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब फीफा के किसी बड़े प्रस्ताव पर यूईएफए ने इतना कड़ा रुख अपनाया हो। इससे पहले 2021 में भी यूईएफए और यूरोपीय देशों ने विश्व कप को हर दो वर्ष में आयोजित करने के फीफा के प्रस्ताव का सफलतापूर्वक विरोध किया था। उस समय विश्व कप के बहिष्कार की चेतावनी के बाद फीफा को अपना प्रस्ताव वापस लेना पड़ा था। वहीं दूसरी ओर, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने इस प्रस्ताव का बचाव किया है। उनका तर्क है कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य फुटबाल की व्यावसायिक क्षमता को बढ़ाना और उससे होने वाली आय को दुनिया भर के सदस्य देशों तक पहुंचाना है, जिससे वैश्विक स्तर पर खेल के विकास को नई गति मिलेगी। फीफा ने अपने 211 सदस्य देशों को इस योजना के समर्थन के लिए अधिक आर्थिक सहायता का भी प्रस्ताव दिया है। योजना के अनुसार, वर्ष 2031 से 2034 के व्यावसायिक चक्र में प्रत्येक सदस्य संघ को 2 करोड़ डालर तक की सहायता मिल सकती है, जो मौजूदा 80 लाख डालर की व्यवस्था से काफी अधिक है। फीफा का यह भी कहना है कि नई इकाई बनने के बाद भी प्रतियोगिताओं, खेल के नियमों, अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और प्रशासनिक फैसलों पर उसका पूरा नियंत्रण बना रहेगा, साथ ही सदस्य देशों को इस नई वित्तीय व्यवस्था का हिस्सा बनने या न बनने की स्वतंत्रता भी होगी।

गुड्स शेड कर्मचारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा : मनोरंजन कुमार पासवान

विशेष कल्याण बोर्ड के गठन की मांग, श्रम कानूनों की जानकारी देने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ (बीआरएमजीएसएस) के राष्ट्रीय प्रभारी मनोरंजन कुमार पासवान ने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य भारतीय रेलवे के गुड्स शेड कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करना तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण को सुनिश्चित करना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार जल्द ही गुड्स शेड कर्मचारियों के लिए विशेष कल्याण बोर्ड अथवा कॉर्पोरेशन के गठन की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगी।

वे रविवार को हैदराबाद के बशीरबाग प्रेस क्लब में भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ (बीआरएमजीएसएस) द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का उद्देश्य गुड्स शेड कर्मचारियों को केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए श्रम कानूनों की जानकारी देना था।

1998 से कर्मचारियों के अधिकारों के लिए कर रहा है संघर्ष

मनोरंजन कुमार पासवान ने बताया कि भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ वर्ष 1998 से गुड्स शेड कर्मचारियों के अधिकारों एवं कल्याण के लिए निरंतर संघर्ष कर रहा है। इस दौरान संघ ने केंद्र सरकार के साथ कई त्रिपक्षीय बैठकों में भाग लेकर कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया, जिसके परिणामस्वरूप श्रम कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए और कर्मचारियों को विभिन्न कल्याणकारी लाभ प्राप्त हुए।

विशेष श्रम प्रबंधन प्रणाली बनाने का रखा गया प्रस्ताव

उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर 2024 को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार, रेलवे एवं श्रम मंत्रालय के अधिकारियों तथा संघ के प्रतिनिधियों के बीच आयोजित बैठक में गुड्स शेड कर्मचारियों के लिए विशेष श्रम प्रबंधन प्रणाली विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया था।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए देशभर के रेलवे माल गोदामों का भौतिक सत्यापन (फिजिकल वेरिफिकेशन) कराया। इस दौरान कर्मचारियों एवं ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं, शोषण तथा कार्यस्थलों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया।

बिचौलियों के बिना सीधे खातों में पहुंचे मजदूरी

राष्ट्रीय प्रभारी ने केंद्र सरकार से ऐसी व्यवस्था लागू करने का आग्रह किया, जिसमें मपीस-रेटफ मजदूरी बिना किसी बिचौलिये के सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में जमा की जाए। उन्होंने कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और श्रमिकों को उनका उचित पारिश्रमिक समय पर प्राप्त होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यस्थल पर दुर्घटना, श्रमिक अधिकारों के उल्लंघन अथवा किसी अन्य समस्या की स्थिति में संघ कर्मचारियों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर उनके हितों की रक्षा के लिए आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगा।

एकजुटता और जागरूकता पर दिया जोर

मनोरंजन कुमार पासवान ने कर्मचारियों से संगठित रहने तथा अपने अधिकारों और श्रम कानूनों के प्रति पूरी तरह जागरूक रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि संगठित प्रयासों से ही श्रमिकों के अधिकारों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सकती है।

कार्यक्रम में भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के वेस्ट सेंट्रल रेलवे ज़ोन के अध्यक्ष रणवीर सिंह, आयोजन सचिव प्रतीक राठौर, तेलंगाना राज्य अध्यक्ष जी. अशोक, उपाध्यक्ष बी. महेश्वर रेड्डी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं श्रमिक उपस्थित रहे।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, यही मानव जीवन की सच्ची साधना : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान, गौ सेवा एवं जीव सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण और सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में सेवा को केवल एक कार्य नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च धर्म मानते हुए समाज में मानवता, करुणा और परोपकार की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर राजकुमारी अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ङ्गङ्घसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और यही मानव जीवन की सच्ची साधना है।ङ्घङ्ग उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को सबसे अधिक आवश्यकता ऐसे लोगों की है, जो बिना किसी स्वार्थ के मानवता की सेवा को अपना जीवन-धर्म बनाएं। धन, पद और प्रतिष्ठा जीवन को सुविधाएं तो दे सकते हैं, लेकिन वास्तविक संतोष केवल सेवा, दया और परोपकार से ही प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद वर्षों से निरंतर अन्नदान, गौ सेवा और जीव सेवा के माध्यम से समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यह अभियान केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, सहयोग, भाईचारे और मानवीय मूल्यों को सशक्त बनाने का एक सतत प्रयास है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति रखते हैं और लोगों को अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करते हैं।

राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति ने सदैव मनर सेवा ही नारायण सेवाफ का संदेश दिया है। भूखे को भोजन कराना, गौ माता की सेवा करना तथा मूक प्राणियों के प्रति दया और संवेदना रखना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है।

उन्होंने बताया कि इस सेवा केंद्र पर प्रतिदिन गौ सेवा के साथ-साथ कबूतरों एवं अन्य पक्षियों के लिए दाना डाला जाता है। यह कार्य केवल जीवों को भोजन देना नहीं, बल्कि प्रकृति और समस्त प्राणी जगत के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि ईश्वर प्रत्येक व्यक्ति को उसकी क्षमता के अनुरूप धन, समय और सामर्थ्य प्रदान करता है। यदि इनका सदुपयोग समाज हित में किया जाए तो वही जीवन सार्थक बनता है। जो व्यक्ति अपने संसाधनों का कुछ हिस्सा गरीबों, असहायों और जरूरतमंदों की सहायता में लगाता है, उसके जीवन में आत्मिक शांति और ईश्वर की विशेष कृपा बनी रहती है। सेवा का कोई भी कार्य छोटा नहीं होता, क्योंकि छोटी-सी सहायता भी किसी के जीवन में नई आशा जगा सकती है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय एवं मनीष चिंडालिया ने सेवा कार्यों में सहभागिता निभाई। अंत में सभी ने संकल्प लिया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के माध्यम से अन्नदान, गौ सेवा एवं जीव सेवा का यह पावन अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर मानवता, सेवा और संस्कार की यह ज्योति समाज के प्रत्येक घर तक पहुंचाई जाएगी।

संत श्री रविदास महाराज की कलश यात्रा जियागुड़ा में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री कांती किरण के आह्वान पर शनिवार को भाजपा गोलकुंडा जिले के जियागुड़ा डिवीजन में संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज कलश यात्रा का श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सूर्यवंशी मोची समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर संत श्री रविदास महाराज के जीवन, उपदेशों एवं सामाजिक समरसता के संदेश को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कॉरपोरेटर (गोशामहल) श्री लाल सिंह, भाजपा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष श्री टी. उमामहेंद्र, भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री कांती किरण, भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव श्री एस. कुमार, भाजपा गोलकुंडा जिला के जिला सचिव (प्रेस एवं मीडिया) श्री नटराज नामधारी, श्री सुधाकर गौड़, श्री अक्षय साहू, श्री कैलाश सिंह तथा भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री इंद्रसेन रेड्डी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने संत श्री रविदास महाराज के जीवन, उनकी शिक्षाओं तथा सामाजिक सुधार के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए समाज से समानता, सद्भाव, सेवा और सामाजिक समरसता के उनके संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास के विचार आज भी समाज को एकता, भाईचारे और मानवता की राह दिखाते हैं।

कलश यात्रा एवं कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। श्रद्धा, अनुशासन और सामाजिक समरसता के वातावरण में आयोजित यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मंचेरियाल में पेयजल संकट गहराया, भाजपा पार्षदों ने सरकार और नगर प्रशासन पर लगाया आरोप

मंचेरियाल, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) ख मंचेरियाल के भाजपा पार्षदों ने नगर निगम क्षेत्र में पिछले चार दिनों से जारी पेयजल संकट को लेकर राज्य सरकार और नगर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को रालावागु में बाढ़ से प्रभावित पाइपलाइन कार्य का निरीक्षण करने के बाद पार्षद मुकेश गौड़, कस्तूरी नागराजू और भाजपा नेता बोटला सत्यम् ने कहा कि नगर निगम लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रहा है।

पार्षदों ने बताया कि कई इलाकों के लोग पिछले चार दिनों से पेयजल के लिए परेशान हैं, लेकिन प्रशासन ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की है। उन्होंने कहा कि धूप के दिनों में सड़क निर्माण के कारण पहले ही पानी की समस्या थी, अब भारी बारिश के बाद यह संकट और बढ़ गया है। मंचेरियाल के पास येल्लमपाली परियोजना से पानी महानगर तक जाता है, फिर भी यहां पेयजल की कमी गंभीर बनी हुई है।भाजपा नेताओं ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल पेयजल आपूर्ति बहाल की जाए और जब तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं होती, तब तक टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो भाजपा जनता के साथ मिलकर आंदोलन करेगी।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ किया गया। इस दौरान अस्पताल में उपचाररत मरीजों के परिजनों, जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक एवं सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित सदस्यों ने कहा कि मानव जीवन की सबसे बड़ी साधना निस्वार्थ सेवा है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची उपासना है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के निरंतर सेवा कार्य करते हुए समाज में करुणा, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। ग्रुप का यह नियमित अभियान अनेक जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा और विश्वास का केंद्र बन चुका है तथा समाज के लोगों को सेवा के लिए प्रेरित कर रहा है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावरलाल गुप्ता एवं कमल मुंडाडा ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने भी पूरे समर्पण के साथ अन्न वितरण में सहयोग दिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में सभी सदस्यों ने राधे रानी से प्रार्थना की कि सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें, समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना निरंतर बढ़ती रहे तथा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित अन्नदान अभियान इसी प्रकार अनवरत चलता रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीओके चुनाव...

रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मुजफ्फराबाद में कई जगहों पर सुरक्षाकर्मियों ने नागरिकों पर फायरिंग की, जिसमें कई लोग हताहत हुए। मुजफ्फराबाद के प्लेट इलाके में सुरक्षाबलों की कथित फायरिंग में कम से कम छह से सात लोग घायल हुए, जबकि तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने देर रात मृतकों में से एक के लिए अंतिम प्रार्थना की।

लोगों में नाराजगी, मतदाताओं ने किया चुनाव बहिष्कार

हिंसा के कारण स्थानीय लोगों और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं में नाराजगी है। कई लोगों ने मौजूदा हालात में चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया। पहली बार मतदान करने जा रहे एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि राज्य के मौजूदा हालात को देखते हुए वह अब अपना वोट नहीं डालेगा। एक बुजुर्ग प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि 35 वर्षीय व्यक्ति अपने घर के बरामदे में नाश्ता कर रहा था, तभी सुरक्षाबल इलाके में आए और कथित तौर पर अंधाधुंध फायरिंग की। उसके सीने में गोली लगी। इलाके में भारी फायरिंग और गोलाबारी के कारण करीब 45 मिनट तक उसे प्राथमिक उपचार नहीं मिल सका और उसकी मौत हो गई।

इन मौतों के बाद प्रदर्शन तेज हो गए। प्रदर्शनकारियों ने महम अपने युवाओं की कुर्बानी देंगे, हम क्रांति लाएंगेफ जैसे नारे लगाए। वहीं, कुछ स्थानीय लोगों ने हिंसा खत्म करने और समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों और आयोजकों के बीच सीधी बातचीत की अपील की।

भारत ने किया पाकिस्तानी कार्रवाई का कड़ा विरोध

भारत ने भी पीओके में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तान की कार्रवाई की आलोचना की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई में 40 से अधिक लोगों की मौत हुई है और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

भारत पर...

यह तैनाती सीमा सैन्यीकरण को नई ऊंचाई पर ले जा रही है। भारत के लिए यह चुनौती इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एसएच-15 की शूट-एंड-स्कूट क्षमता काउंटर-बैटरी फायर को मुश्किल बनाती है। भारत के पास के-9 वज्र जैसे सिस्टम हैं जो ट्रैक्ड और अधिक सुरक्षित माने जाते हैं, लेकिन पाकिस्तान की व्हील्ड मोबिलिटी फायदा देती है।

दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण सीमा पर ऐसी आर्टिलरी की भारी तैनाती गलतफहमी या छोटी घटना को बड़े संघर्ष में बदल सकती है। चीन का समर्थन पाकिस्तान को लगातार आधुनिक हथियार उपलब्ध करा रहा है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन प्रभावित हो रहा है। भारत को अपनी आर्टिलरी आधुनिकीकरण तेज करने और खुफिया निगरानी बढ़ाने की जरूरत पड़ सकती है।

पाकिस्तान अपनी कमजोरियां ठीक कर रहा है

पाकिस्तान की यह खरीद उसकी सैन्य कमजोरियों को दूर करने का प्रयास है। लेकिन आर्थिक दबाव के बीच इतनी बड़ी संख्या में सिस्टम खरीदना और बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होगा। चीन के साथ गहरी निर्भरता पाकिस्तान की स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी को प्रभावित कर सकती है। आर्टिलरी की यह होड़ दिखाती है कि पारंपरिक युद्ध क्षमता अभी भी दक्षिण एशिया की सुरक्षा का केंद्र बनी हुई है। भविष्य में ड्रोन और मिसाइल तकनीक के साथ इन सिस्टम का संयोजन और खतरनाक साबित हो सकता है।

पप्पू पर...

उन्होंने संसद में भगवा का अपमान किया था। हमने उनका विरोध किया तो उनके समर्थक पीटने लगे। हैप्पी बुलंदशहर में भाजपा के मंडल महामंत्री हैं।

पप्पू यादव के मीडिया संयोजक ने कहा- हमलावरों ने पहले चप्पल फेंकी, फिर चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस मूकदर्शक बनी रही और हमलावरों को बचाने में लगी थी। उनका दावा है कि हमलावर प्रयागराज के अतीक अहमद हत्याकांड जैसी वारदात को अंजाम देने आए थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद एक अन्य समर्थक ने कहा- तीन-चार लोग अचानक वहां पहुंचे और चाकू से हमला करने की कोशिश की। मैंने पप्पू यादव को बचाने के लिए अपना हाथ आगे कर दिया। चाकू से मेरी ऊंगली पर कट लगा, इसके बाद भी हमलावर हमला करते रहे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

आरोपी और समर्थक आमने-सामने

पप्पू यादव पर चप्पल फेंकने वाले हैप्पी शर्मा ने कहा- पप्पू यादव के घर के बाहर साधुओं का धरना चल रहा था। मैं और मेरा साथी सुमित गिरि गोस्वामी साधुओं का सपोर्ट करने गया था, लेकिन तब तक साधुओं को हटाया जा चुका था। इसलिए हम सांसद पप्पू यादव से मिलने पहुंच गए। हम जब गए तो हमारी चेकिंग भी हुई। वहां प्रेस कॉन्फ्रेंस चल रही थी। हमने उनसे कहा- आप साधुओं के भगवा वस्त्र पहनकर लोट रहे हैं। भगवान राम के चित्र को सांसद अवधेश प्रसाद के पैरों के पास रख रहे हैं, ये गलत है। इस पर सांसद के लोग हमें पीटने लगे। वह सुमित खींचकर घर से अंदर ले गए। इसी दौरान मैं घर के बाहर हो गया।

चाकू लेकर जाने के आरोप पर हैप्पी ने कहा- जब उन लोगों ने हमें पीटा तो हमने उन पर चप्पल-जूते तो फेंके, लेकिन हम वहां चाकू लेकर नहीं गए थे। चाकू उन्होंने अपनी तरफ से लाकर मीडिया को दिखाया।

सुमित और हैप्पी दोनों बुलंदशहर जिले के हैं। दोनों ठेकेदारी का काम करते हैं।

पहला स्वदेशी ...

* जेट-संचालित लॉइटरिंग म्यूनिशन यानी आत्मघाती ड्रोन में इसका इस्तेमाल होगा, जिससे उनकी रफ्तार बढ़ेगी।
* यह तेज गति से उड़ने वाले मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन/यूएवी) को ऊर्जा देगा।
* इसे समुद्री जहाजों पर हमला करने वाली मिसाइलों में लगाया जा सकता है।
* हथियारों के परीक्षण के लिए इस्तेमाल होने वाले हाई-स्पीड टारगेट ड्रोन को भी यह पावर देगा।
* यह दुश्मनों के इलाके में गहराई तक हमला करने के लिए तेज और स्थिर सबसोनिक (आवाज की गति से थोड़ा कम) उड़ान प्रदान करता है।
* इसका उपयोग दुश्मन के रडार साइट्स, कमांड सेंटर, ईंधन डिपो और गोला-बारूद के गोदामों को नष्ट करने के लिए किया जाएगा।

टर्बोजेट इंजन मुश्किल क्यों है?

एयरोस्पेस में कॉम्पैक्ट टर्बोजेट इंजन बनाना बेहद कठिन माना जाता है। रॉकेट के विपरीत, टर्बोजेट हवा से ऑक्सीजन खींचकर उसे कंप्रेस करता है और 1,000 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान पर ईंधन जलाकर थ्रस्ट जनरेट करता है। इसके कंपोनेंट्स प्रति मिनट दसों हजार चक्कर लगाते हैं। ऐसे में हल्की-सी भी मैन्युफैक्चरिंग गड़बड़ी इंजन को तबाह कर सकती है। इसके लिए एडवांस मेटलर्जी, सटीक निर्माण और टरबाइन इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता चाहिए, जो दुनिया के बहुत कम देशों के पास है।

किन देशों के पास है यह तकनीक?

भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास अपनी कॉम्पैक्ट टर्बोजेट तकनीक है। इससे पहले यह तकनीक अमेरिका, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन और चीन के पास थी। यह इंजन लड़ाकू विमानों (जैसे तेजस या एएमसीए) में लगने वाले बड़े और जटिल फाइटर इंजन से अलग है, लेकिन जानकारों के मुताबिक, छोटे टर्बोजेट से हासिल की गई तकनीक (कंप्रेसर, टरबाइन, मटीरियल और कंबशन) आगे चलकर भारत को स्वदेशी फाइटर जेट इंजन विकसित करने में बहुत मदद करेगी। यह उपलब्धि भारत को न केवल विदेशी इंजनों पर निर्भरता से मुक्त करेगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और भविष्य के ड्रोन युद्ध में भारत की सैन्य ताकत को एक नई ऊंचाई देगी।

खुलकर...

ऐसे में यह उनका पहला बड़ा सार्वजनिक संबोधन होगा। इस कार्यक्रम में शेख हसीना के साथ बांग्लादेश के कई बड़े नेता, पूर्व राजनयिक और जाने-माने चेहरे जुड़ेंगे। इनमें उनके बेटे और पूर्व आईटी सलाहकार सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी नौफेल, बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर-पूर्व सांसद शाकिब अल हसन और बांग्लादेश मानवाधिकार वॉच के महासचिव मोहम्मद अली सिद्दीकी शामिल हैं।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एफसीसी साउथ एशिया के अध्यक्ष डॉ. वाएल अव्वाद करेंगे।

2024 में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से बांग्लादेश की राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार का कार्यकाल फरवरी 2026 के चुनावों के बाद खत्म हो गया था। अब वहां बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री हैं।

नई सरकार ने पूर्व अवामी लीग सरकार के नेताओं पर कानूनी कार्रवाई जारी रखी है। ऐसे में शेख हसीना का यह संबोधन बांग्लादेश की राजनीति में एक नया मोड़ ला सकता है।

चिन्मय को जमानत...

मामलों में भी केस दर्ज किए गए।

चिन्मय दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने रविवार को बताया कि हाई कोर्ट की दो जजों की बेंच ने हत्या की कोशिश, तोड़फोड़ और सरकारी अधिकारियों को उनकी ड्यूटी करने से रोकने के आरोपों से जुड़े दो मामलों में उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली है। हालांकि, अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों के वकीलों के मुताबिक, इस फैसले के बाद भी दास की रिहाई नहीं हो सकेगी। उनके खिलाफ देशद्रोह और हत्या के आरोपों समेत चार अन्य मामले अभी लंबित हैं। हत्या का मामला दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव की एक घटना से जुड़ा है। चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान एक सरकारी वकील की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी।

चिन्मय कृष्ण दास पहले इस्कॉन से जुड़े हुए थे और अब हिंदू संगठन सम्मिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता हैं। इस संगठन ने 2024 में शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों, सुरक्षा और नागरिक अशांति से संरक्षण की मांग को लेकर कई रैलियां आयोजित की थीं।

चिन्मय दास के खिलाफ दर्ज मामले फिलहाल अदालतों में अलग-अलग चरणों में हैं। उनके वकील लंबे समय से जमानत की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि दास लंबे समय से बीमारियों के साथ जेल में बंद हैं। इससे पहले उनकी कई जमानत याचिकाएं या तो खारिज कर दी गई थीं या उन पर रोक लगा दी गई थी। दास की गिरफ्तारी के समय भारत ने भी गहरी चिंता जताते हुए बांग्लादेश से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 03 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें ।

अग्रसेन बैंक की 14वीं शाखा का कोत्तापेट में शुभारंभ

तेलंगाना राज्य आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष श्री अमरावाड़ी लक्ष्मीनारायण एवं बैंक अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया की उपस्थिति में हुआ उद्घाटन

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

द अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने रविवार को हैदराबाद के कोत्तापेट मएक्सफरोड स्थित लक्ष्मीनगर कॉलोनी में अपनी 14वीं शाखा का शुभारंभ किया। शाखा का उद्घाटन एल.बी. नगर के विधायक श्री देवी रेड्डी सुधीर रेड्डी ने किया। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष श्री अमरावाड़ी लक्ष्मीनारायण बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

24 घंटे एटीएम, लॉकर एवं आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से सुसज्जित है नई शाखा

नवनिर्मित शाखा को ग्राहकों की सुविधा के लिए 24 घंटे संचालित एटीएम केंद्र, सेफ डिपॉजिट लॉकर सुविधा तथा आधुनिक तकनीक पर आधारित बैंकिंग सेवाओं की संपूर्ण श्रृंखला से सुसज्जित किया गया है। बैंक प्रबंधन का उद्देश्य ग्राहकों को सुरक्षित, तेज और विश्वसनीय बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है।

तेलंगाना में गुणवत्तापूर्ण बैंकिंग सेवाओं के विस्तार का संकल्प

इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि कोत्तापेट शाखा के शुभारंभ के साथ अग्रसेन बैंक का नेटवर्क अब 14 शाखाओं तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार तेलंगाना भर में गुणवत्तापूर्ण बैंकिंग सेवाओं को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने की बैंक की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

उन्होंने ग्राहकों से बैंक की आकर्षक जमा योजनाओं, विभिन्न ऋण उत्पादों तथा तकनीक आधारित आधुनिक बैंकिंग समाधान का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

गणमान्य अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

उद्घाटन समारोह में बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष श्री नारायण दत्त, निदेशक मंडल एवं बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य, महाप्रबंधक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सी.वी. राव, उप महाप्रबंधक श्री आनंद अग्रवाल, शाखा प्रबंधक श्रीमती ज्योति राठी, विशिष्ट अतिथि, बैंक के ग्राहक तथा बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सीरवी समाज मित्र मंडल का श्रावण सैर कार्यक्रम संपन्न

कीसरागुट्टा स्थित श्रीराम लिंगेश्वर स्वामी मंदिर में गूंजे भक्ति रस से ओतप्रोत भजन

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीरवी समाज मित्र मंडल, निम्बली (मांडा) के तत्वावधान में आयोजित श्रावण सैर कार्यक्रम के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने कीसरागुट्टा स्थित श्रीराम लिंगेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महिला मंडली द्वारा प्रस्तुत भक्ति रस से ओतप्रोत भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

पूज्य संतों के सान्निध्य में हुआ धार्मिक आयोजन

कार्यक्रम में श्री श्री 1008 पूज्य गुरुदेव महंत श्री भवरगिरीजी महाराज (श्री नीलकंठ महादेव मंदिर, निम्बली (मांडा)) तथा स्वामी हीरपुरीजी महाराज (बालेसर, जोधपुर) का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने संतों का आशीर्वाद ग्रहण कर धर्म एवं भक्ति के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

भजनों से भक्तिमय हुआ वातावरण

भजन कलाकार रमेश चोयल एंड पार्टी ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में मांगीलाल सोलंकी, जगदीश सोलंकी, नथाराम सोलंकी, नरेश सोलंकी, दिनेश सोलंकी (डूंगाराम), कुनाराम सोलंकी, उत्तम काग, नेमाराम सोलंकी, रताराम सोलंकी, मूलाराम चोयल, वस्तीराम सोलंकी, बाबूलाल मुलेवा, चिमनाराम गहलोत, गुण-राम सैणचा, चौथाराम मुलेवा, नारायणलाल सोलंकी, भवरलाल मुलेवा, महेंद्र राठौड़, लखाराम सोलंकी, चेनाराम भायल, वालाराम परिहार, अचलाराम परिहार, पेमाराम पंवार, चेनाराम सोलंकी, सूजाराम सैणचा, प्रतापराम सोलंकी, मोहन सोलंकी, भेराराम सोलंकी, चिमनाराम सोलंकी, लकाराम चोयल, भूंडाराम काग, मूलाराम काग, जोराराम, मुलाराम सैणचा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रावण मास में भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश

श्रावण सैर कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

गुरु पूर्णिमा पर सिखवाल युवा प्रकोष्ठ ने किया संत सेवारामजी का सम्मान

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सिखवाल युवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पूज्य श्री श्री संत सेवारामजी महाराज का भावभीना सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर गुरु परंपरा के प्रति अपनी आस्था एवं श्रद्धा व्यक्त की।

श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ सम्मान समारोह

कार्यक्रम में संत सेवारामजी महाराज का सम्मान कर उनके श्रीचरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करते हुए धर्म, संस्कार एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

इस अवसर पर रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, नरेश पाण्डिया, रामेश्वरलाल उपाध्याय, नटवरलाल व्यास, संदीप जायलवाल, रूपचन्द व्यास, रामजीवन नागला, हरीकिशन ओझा, दिनेश पाण्डिया, पवन पुरोहित, भागीरथ पाण्डिया, जगदीश शर्मा कोलरिया, गोपालकृष्ण तिवारी, पृथ्व-ीराज टांक, भगवान उपाध्याय, किरण व्यास, प्रेमलता व्यास, अर्चना ओझा, गायत्री तिवारी, जमुना उपाध्याय तथा श्रीमान एवं श्रीमती सिद्ध शर्मा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने पूज्य संत सेवारामजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ।

तेरापंथ धर्मसंघ में युवाचार्य मनोनयन पर वर्धापना समारोह का भव्य आयोजन

शम, सम और श्रम के त्रिवेणी संगम हैं युवाचार्यश्री महावीर : मुनिश्री दीप कुमार

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के पावन सान्निध्य में तेरापंथ धर्मसंघ के नव मनोनीत युवाचार्यश्री महावीरजी का वर्धापना समारोह श्रद्धा, उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस भव्य समारोह का आयोजन तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद एवं समस्त संघीय संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि ङ्गङ्गयुवाचार्यश्री महावीर शम, सम और श्रम के त्रिवेणी संगम हैं।ङ्गङ्ग उन्होंने कहा कि युवाचार्यश्री ने उपशम की गहन साधना की है, समता उनके जीवन का अभिन्न गुण है तथा वे श्रम और पुरुषार्थ के कठोर साधक हैं। उनके व्यक्तित्व में शील और श्रुत का मणिकांचन संयोग विद्यमान है। वे जितने श्रेष्ठ श्रुताराधक हैं, उतने ही उत्कृष्ट मुमुक्षु भी हैं।

मुनिश्री ने कहा कि युवाचार्यश्री की वाणी ओजस्वी, प्रेरणाप्रद एवं मधुर है। उनके आचरण में वैराग्य की गहराई और संयम की मधुरता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। विपरीत परिस्थितियों में भी वे समता बनाए रखते हैं तथा उनका शांत, प्रसन्न और सदैव मुस्कुराता व्यक्तित्व प्रत्येक साधक के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने आगे कहा कि युवाचार्यश्री की विनम्रता, समर्पण भावना एवं गुरु-निष्ठा ने युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी का हृदय जीत लिया है। आचार्यप्रवर द्वारा उन्हें युवाचार्य पद पर मनोनीत किया जाना धर्मसंघ के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। मुनिश्री ने मंगलकामना व्यक्त करते हुए कहा कि युवाचार्यश्री निरामय रहकर धर्मसंघ को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ तथा आचार्य-युवाचार्य की यह गौरवशाली जोड़ी दीर्घकाल तक धर्मसंघ का सफल नेतृत्व करती रहे।

इस अवसर पर मुनिश्री काव्य कुमारजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ एक गुरु, एक अनुशासन और एक आज्ञा की परंपरा में निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। धर्मसंघ की यह पुण्य परंपरा अखंड, अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि युवाचार्यश्री महावीर का वर्धापना समारोह इसी सुदृढ़ संगठन, गुरु-भक्ति और अनुशासन का सजीव उदाहरण है।

कार्यक्रम का मंगलाचरण तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ किशोर मंडल तथा भिक्षु प्रज्ञा मंडली, हैदराबाद द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशीलजी संचेती, तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद के अध्यक्ष विनोदजी दुगड़, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद के अध्यक्ष वीरेन्द्रजी घोषल, तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की अध्यक्षा नमिताजी सिंघी, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष राजेन्द्रजी बोथरा, महासभा की ओर से लक्ष्मीपतजी बैद, लक्ष्मीपतजी डूंगरवाल, चांददेवी बैद, राजकुमारजी सुराणा तथा अभातेयुप की ओर से राहुलजी श्यामसुखा ने अभिवंदना के साथ अपने विचार व्यक्त किए।

तेरापंथ महिला मंडल की बहनों ने वर्धापना गीत का सामूहिक संगान प्रस्तुत किया, जबकि ज्ञानशाला के बच्चों एवं प्रशिक्षिकाओं ने अपनी आकर्षक एवं प्रेरणादायी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन खुशहाल भंसाली ने किया।

समारोह में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने नव मनोनीत युवाचार्यश्री महावीरजी के प्रति अपनी श्रद्धा, आस्था एवं मंगलभावनाएँ व्यक्त कीं। संपूर्ण वातावरण गुरु-वंदना, धर्मभावना एवं आध्यात्मिक उल्लास से ओत-प्रोत रहा।

शालिबंडा में श्री अक्कन्ना मादन्ना महाकाली अम्मावारी घटम जुलूस का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार शाम को शालिबंडा स्थित श्री काशी विश्वनाथ स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद श्री अक्कन्ना मादन्ना महाकाली अम्मावारी घटम का जुलूस (ऊरेगिंपु) धूमधाम से शुरू हुआ।

यह जुलूस शालिबंडा से प्रारंभ होकर लाल दरवाजा मोड़, गवलीपुरा, बेला चौरास्ता और हरिबाउली से होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगा।

इस भक्तिमय जुलूस में मंदिर समिति के प्रतिनिधि डी. प्रभाकर, राजारत्नम, ए. सतीश, एस. पी. क्रांति कुमार, जगमोहन कपूर, एम. कृष्णा, चेतन सूरी, एम. विनोद, ए. गोपाल, श्रीकांत, एम. विजय कुमार, विशाल, शेखर, मुकेश, प्रणीत तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोनालू महोत्सव में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के सदस्यों का सम्मान

श्री बालकमपेट येल्लम्मा तल्ली कल्याणम् के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

21 एवं 22 जुलाई, 2026 को आयोजित श्री बालकमपेट येल्लम्मा तल्ली कल्याणम् एवं बोनालू महोत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था (बंदोबस्त) में उत्कृष्ट सहयोग प्रदान करने वाले सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के समर्पित सदस्यों को जुबली हिल्स जोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्री ए. रमना रेड्डी ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर डीसीपी श्री ए. रमना रेड्डी ने कहा कि कमेटी के सदस्यों की निस्वार्थ सेवा, अनुशासन एवं अटूट समर्पण ने पुलिस प्रशासन का प्रभावी सहयोग करते हुए बोनालू महोत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वयंसेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल

सम्मान समारोह के दौरान कमेटी के स्वयंसेवकों की कड़ी मेहनत, समन्वय, सहयोग एवं पूरे महोत्सव के दौरान किए गए अथक प्रयासों की सराहना की गई। अधिकारियों ने कहा कि इन स्वयंसेवकों का समर्पण स्वयंसेवा, जनसेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की उत्कृष्ट भावना को प्रतिबिंबित करता है।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनके कार्यों की सराहना ही नहीं, बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी सम्मान है, जो अन्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

समाज सेवा के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान

कार्यक्रम में स्वयंसेवकों से भविष्य में भी समर्पण, एकता, ईमानदारी और करुणा की भावना के साथ समाज सेवा करते रहने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से ही शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर सभी सहयोगियों के प्रति उनके बहुमूल्य सहयोग, विश्वास, समर्पण और निस्वार्थ सेवा के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि- आइए, हम सब मिलकर सेवा करें... मिलकर सुरक्षा करें... और मिलकर एक शांतिपूर्ण समाज का निर्माण करें।

कार्यक्रम में सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से महासचिव (ऑल जोन्स) श्री किशन शर्मा, अध्यक्षा श्रीमती तेजो कुमारी, कार्यकारी अध्यक्ष श्री बोगी बालक दास, उपाध्यक्ष श्री संगेश अग्रवाल तथा महासचिव मोहम्मद असदुद्दीन शामिल थे।

श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू महोत्सव का भव्य शुभारंभ

घटम यात्रा के साथ शुरू हुए नौ दिवसीय धार्मिक आयोजन, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्री श्री दरबार मैसम्मा एवं श्री महांकाली मैसम्मा देवालय ट्रस्ट बोर्ड तथा बोनालू उत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू महोत्सव का रविवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में भव्य शुभारंभ हुआ। यह धार्मिक महोत्सव 2 अगस्त से 10 अगस्त, 2026 तक विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर माता के पावन घटम की विधिवत पूजा-अर्चना श्री मुल्ले अंजय्या एवं मंदिर के प्रधान पुजारी श्री मुल्ले भिक्षापति के निवास पर संपन्न हुई। इसके पश्चात भव्य घटम यात्रा भांजावाड़ी स्थित श्री बांगरू मैसम्मा मंदिर से प्रारंभ होकर श्री दरबार मैसम्मा मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने माता के जयकारों से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

इसके बाद घटम यात्रा कारवान क्षेत्र की विभिन्न बस्तियों एवं गलियों से होकर निकली, जहां श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर श्रद्धापूर्वक जल अर्पित किया तथा सुख-समृद्धि और मंगलकामना के साथ माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर समिति ने बताया कि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन पवित्र घटम यात्रा निकाली जाएगी। माता के पवित्र घटम को श्रद्धापूर्वक घर-घर ले जाया जाएगा, जहां श्रद्धालु जल के छींटे अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं शांति की कामना करेंगे।

सप्ताह भर मंदिर परिसर में भक्ति संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विशेष पूजा-अर्चना तथा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंदिर के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026 का श्री दरबार मैसम्मा कारवान सामूहिक बोनालू महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बोनालू तेलंगाना का प्रमुख लोक एवं धार्मिक पर्व है, जिसे सावन मास में आदिशक्ति की आराधना के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालु माता को पारंपरिक बोनम अर्पित कर परिवार, समाज एवं राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन श्री टी. अमर सिंह ने महोत्सव के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए सभी श्रद्धालुओं से बोनालू महोत्सव को आपसी भाईचारे, सौहार्द, अनुशासन तथा अमन-शांति के वातावरण में मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें।

घटम यात्रा एवं शुभारंभ समारोह में कारवान क्षेत्र सहित नगर के अनेक राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। प्रमुख रूप से सर्वश्री ठाकुर अमर सिंह, देवरा राजेश्वर, ठाकुर हीरा सिंह, ठाकुर गोविंद सिंह मअक्षयफ, ठाकुर योगराज सिंह, पाशम राजेंद्र यादव, पुजारी भिक्षापति, लक्ष्मण चारी, एम. महेश, जी. नवीन, जी. मल्लेश गौड़, के. अनिल कुमार, सी. ज्ञानेश्वर, एम. राकेश, एम. निखिलेश, एम. कार्तिक, एस. राजेश यादव, एस. विघ्नेश, एस. जगदीश, एस. रविचंद्रा, पूर्व पार्षद कृष्णा राव, पूर्व पार्षद बंगारी प्रकाश, राधाकृष्ण यादव, सीएचसी. सुभाष, जिनका कृष्णा मुदिराज, एस. मनोहर, बी. रमणा, रवि गल्ला, के. मधुकर, सीएचसी. सादम्मा, जे. रविंदर, जी. परमेश, वी. कुमार, सुनील यादव, श्री तुलजा भवानी मंदिर के चेयरमैन टी. परमेश्वर राव, एम. रेवती, एम. सरिता, एम. अमरेश्वरी, एम. सुष्मिता, इंदिरा तथा डी. भास्कर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समिति के पदाधिकारियों ने अंत में सभी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में महोत्सव में भाग लेकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा माता का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

मदनूर मंडल में मुद्राज समाज ने भक्ति भाव से मनाया बोनालु त्योहार

मदनूर, 2 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)

मदनूर मंडल केंद्र में रविवार को मुद्राज समाज के पुरुष और महिलाएं गाज्या बाजे के साथ भक्ति भाव से बोनालु लेकर ग्राम देवता की पूज्य अर्चना करने निकले।

इस अवसर पर स्थानिक सरपंच ऊषा संतोष ने बताया कि बोनालु एक हिंदू त्यौहार है, जो मुख्य रूप से तेलंगाना राज्य में आषाढ़ चंद्र माह (जुलाई-अगस्त) के दौरान मनाया जाता है।

बोनालु में महिलाएं पके हुए चावल, दूध, गुड़ और नीम की पत्तियों से भरे सजावटी मीठे बर्तन में जलता हुआ दीपक लेकर आती हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। मुद्राज समाज के लोगों ने ग्राम देवता की पूज्य अर्चना की, आरती उतारी और भोग लगाया।

इस दौरान उन्होंने भगवान से अच्छी बारिश और उत्तम फसल की मनोकामना की। सभी श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बोनालु उत्सव के मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने उज्जैनी महाकाली मंदिर में की पूजा

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने वार्षिक बोनालु उत्सव के मौके पर रविवार को सिकंदराबाद के ऐतिहासिक उज्जैनी महाकाली मंदिर का दौरा कर अधिष्ठात्री देवी को रेशमी वस्त्र अर्पित किये। मंदिर अधिकारियों ने मेला तालों से उनका भव्य पारंपरिक स्वागत किया। इसके बाद श्री रेड्डी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा-अर्चना की।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर, दनसरि अनसूया (सीतक्का) और कोंडा सुरेखा भी उनके साथ मौजूद थीं। मंत्री कोंडा सुरेखा ने देवी को बोनम (प्रसाद) अर्पित किया, जबकि मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने तेलंगाना सरकार की ओर से औपचारिक पहला बोनम भेंट किया।

उज्जैनी महाकाली बोनालु जतारा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र धार्मिक गतिविधियों से गुलजार रहे। हजारों श्रद्धालु बोनम चढ़ाने और देवी का आशीर्वाद लेने पहुंचे।

भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर अधिकारियों ने सामान्य श्रद्धालुओं के लिए तीन कतारों और बोनम चढ़ाने के लिए दो अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की। अधिकारियों को उत्सव के दौरान कई लाख श्रद्धालुओं के मंदिर आने की उम्मीद है।

कनका दुर्गा अमावश्री टेम्पल, उस्मानगंज में आयोजित बोनल जात्रा के अवसर पर गल्ला विनय किशोर चेयरमैन ने भाजपा नेता एवं महेश बैंक वाइस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी और मनोज जायसवाल का शॉल पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर श्रीमती विनय कुमार तथा हाई कोर्ट एडवोकेट शैला भी उपस्थित थे।

नेपाल में अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल का भव्य सम्मान

दो दिवसीय नेपाल-भारत मारवाड़ी अग्रवाल समाज समागम-2026 में भारत-नेपाल के समाजजनों ने एकता और संगठन का दिया संदेश

काठमांडू, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नेपाल अग्रवाल परिवार के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय ङ्कङ्कनेपाल-भारत मारवाड़ी अग्रवाल समाज समागम-2026ङ्कङ्क का भव्य एवं गरिमामय समापन हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत और नेपाल के विभिन्न राज्यों एवं प्रांतों से अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों, समाजसेवियों तथा प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सामाजिक एकता, संगठनात्मक सुदृढ़ता और समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकजुटता, संगठन और सेवा भावना है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के अग्रवाल समाज के बीच बना यह सांस्कृतिक एवं सामाजिक सेतु आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा तथा दोनों देशों के समाजजनों के संबंधों को और अधिक मजबूत करेगा।

समारोह के दौरान महासभा की विभिन्न इकाइयों ने वर्षभर की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। मानद मंत्री हरिओम गर्ग ने महासभा की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संगठन की वर्तमान गतिविधियों एवं भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती मृदुला अग्रवाल ने महिला प्रकोष्ठ द्वारा संचालित सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए महिलाओं की बढ़ती सहभागिता को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

राष्ट्रीय सलाहकार महेश अग्रवाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

उत्तर प्रदेश प्रांत अध्यक्ष निरंजन लाल अग्रवाल तथा तेलंगाना प्रांत अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने अपने-अपने राज्यों में संचालित समाज सेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

उत्तराखंड महिला प्रभारी प्रियंका अग्रवाल ने महिला इकाई की उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया, जबकि राष्ट्रीय प्रवक्ता अवधेश अग्रवाल ने महासभा की मीडिया एवं जनसंपर्क गतिविधियों की जानकारी देते हुए समाज को संगठित रखने में प्रभावी संवाद की भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रस्तुत रिपोर्टों से स्पष्ट हुआ कि अग्रवाल समाज सामाजिक एकता के साथ-साथ शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सेवा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्रों में निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।समारोह के विशेष अवसर पर तेलंगाना प्रांत अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल एवं मानद मंत्री हरिओम गर्ग का माला, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

इसके अलावा पश्चिम बंगाल के हावड़ा शाखा के संजय सिंगला, श्याम सुंदर अग्रवाल, ओमप्रकाश केडिया एवं रमेश जालान ने महासभा के सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सम्मान समारोह का स्वागत किया।

आयोजन की सफलता में नेपाल अग्रवाल परिवार के अध्यक्ष के.के. कांत अग्रवाल, महासभा के नेपाल प्रभारी रितेश अग्रवाल तथा कार्यक्रम संयोजक कमलेश कुमार रातेरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कुशल प्रबंधन, समर्पण और अथक प्रयासों के कारण दो दिवसीय समागम सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

समारोह के समापन पर सभी प्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से भारत और नेपाल के अग्रवाल समाज के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर का श्रावण महोत्सव आज से प्रारंभ

श्रावण के प्रत्येक सोमवार को होंगे रुद्राभिषेक, भजन, महाआरती एवं फराली प्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज, भाग्यनगर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण महोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया जाएगा।

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित श्री विजय शंकर महाराजजी के शिवालय में विधिवत पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन, भगवान शिव का अलौकिक श्रृंगार, महाआरती तथा फराली प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

चारों श्रावण सोमवार को होंगे विशेष धार्मिक अनुष्ठान

समाज के महामंत्री मुरलीधर तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष 3, 10, 17 एवं 24 अगस्त को पड़ने वाले चारों श्रावण सोमवार पर सभी धार्मिक अनुष्ठान पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न होंगे। वहीं 30 अगस्त 2026 (रविवार) को श्रावण महोत्सव का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

बैठक में तैयारियों की हुई समीक्षा

श्रावण महोत्सव की तैयारियों को लेकर शनिवार को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आयोजन की रूपरेखा, धार्मिक कार्यक्रमों तथा व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में रामनिवास ओझा, धीरज उपाध्याय, सतवीर उपाध्याय, सत्यनारायण तिवारी, लखन उपाध्याय, बांकेबिहारी ओझा, लक्ष्मीनारायण व्यास, चेतन तिवारी, भागीरथ पाण्डिया, रामकुमार तिवारी, पुसाराम पंडित, गौतम उपाध्याय, भरत उपाध्याय, सुरेश व्यास, दीपक उपाध्याय, श्रीराम व्यास, प्रहलाद वैष्णव सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में सहभागिता की अपील

समाज के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से श्रावण महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा महोत्सव को सफल बनाने की अपील की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.